RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 99 ता. 07 अक्टूबर 2024, रविवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

चतुर्थ कुष्माण्डा

देवी माँ के चतुर्थ रूप का नाम है, देवी कुष्माण्डा। कुष्माण्डा का संस्कृत में अर्थ होता है लौकी, कद्दू। अब अगर आप किसी को मज़ाक में लौकी, कद्दू पुकारेंगे तो वह बुरा मान जाएंगे और आपके प्रति क्रोधित होंगे। 'कु' का अर्थ है छोटा, 'ष्' का अर्थ है ऊर्जा और 'अंडा' का अर्थ है ब्रह्मांडीय गोला सृष्टि या ऊर्जा का छोटे से वृहद ब्रह्मांडीय गोला। सपूर्ण ब्रह्माण्ड में ऊर्जा का संचार छोटे से बड़े में होता है। यह बड़े से छोटा होता है और छोटे से बड़ा ; यह बीज से बढ़ कर फल बनता है और फिर फल से दोबारा बीज हो जाता है।

2047 तक पूरी तरह मेक इन इंडिया हथियारों को इस्तेमाल करेगी वायुसेना

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना 2047 तक अपने सभी सामान का उत्पादन भारत में ही करने पर विचार कर रही है। एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने इसकी जानकारी दी। वायुसेना दिवस से पहले वायुसेना प्रमुख ने बताया कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तेजी से बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, खासकर लद्दाख सेक्टर में और भारत भी एलएसी पर बुनियादी ढांचे की तैयारी कर रहा है। विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में भू-राजनीतिक तनावों और संघर्षों पर वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भविष्य की किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए स्वदेशी हथियार प्रणालियों का होना महत्वपूर्ण है। एक प्रश्न के उत्तर में एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि रूस ने एस-400 मिसाइल प्रणाली की तीन इकाइयों की आपूर्ति कर दी हैं तथा उसने अगले वर्ष तक शेष दो इकाइयों की आपूर्ति करने का वादा किया है।

मंदिरों से साईं मूर्ति हटाना उचितः शंकराचार्य

वाराणसी। ज्योतिष पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अवि मुकतेश्वरानंद सरस्वती ने काशी के सनातनी मंदिरों से साईं की मूर्ति हटाने को शास्त्र सम्मत बताया है, साथ ही सनातन रक्षक दल के प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा की गिरफ्तारी पर रोश व्यक्त किया है।

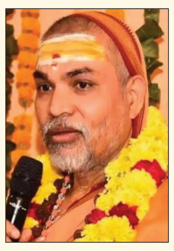

शंकराचार्य ने एक ऑडियो संदेश जारी करके अजय शर्मा का समर्थन किया है। शंकराचार्य ने कहा कि सनातनी मंदिरों में पुजारियों और प्रबंधको की ना समझी, लापरवाही और शिथिलता से लोभ, भय, अथवा अन्यान्य कारणों से ऐसी मूर्तियां स्थापित कर दी गई, जिनका सनातन धर्म शास्त्रों में ना तो उल्लेख है ना तो कोई उनकी पूजा की विधि है, और न तो उन्हें सनातन धर्मियों को उनसे किसी भी प्रकार की प्रेरणा मिलती है। शंकराचार्य ने कहा कि सनातनी अपने मंदिरों का शुद्धिकरण कर रहे हैं तो इसे किसी को क्या दिक्कत हो रही है। अगर कोई किसी का भक्त है तो अलग मंदिर बना कर उसमें उसकी पूजा करें,कोई मूर्ति तोड़कर फेंकी नहीं जा रही है।ज्ञात हो कि स्वामी अविमुक्तशवरनन्द जी बेबाक टिप्पणी के लिए जाने जाते हैं। इधर बीच कई स्थानों पर मंदिरो से साईं की मूर्ति को हटाने के चलते यह विवाद उत्पन्न हुआ है।

आलू,टमाटर के कारण शाकाहारी थाली मंहगी... मांसाहारी हुई सस्ती

नई दिल्ली। घर की शाकाहारी थाली सितंबर में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत मंहगी हुई है, जबकि मांसाहारी थाली 2 प्रतिशत सस्ती हुई है। शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। शाकाहारी थाली की बढ़ी हुई लागत का कारण सब्जियों की कीमतों में हुई वृद्धि है। जहां प्याज की कीमत में सालाना आधार पर 53 प्रतिशत, आलू की कीमत में 50 प्रतिशत और टमाटर की कीमत में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, प्याज, आलू और टमाटर की कीमतें क्रमशः 53, 50 और 18 प्रतिशत बढ़ी हैं। प्याज और आलू की कीमतों में इजाफा कम आवक के कारण हुआ है, जबकि टमाटर के उत्पादन पर भारी वर्षा का प्रभाव पड़ा है, इससे कीमतों में उछाल दर्ज किया गया है। रिपोर्ट में बताया, ब्रॉयलर की कीमत में कमी के कारण मांसाहारी थाली की लागत में पिछले साल की तुलना में कमी आई है। हमें उम्मीद है कि खरीफ की आपूर्ति बाजार में आने के बाद प्याज की कीमतों में मामूली सुधार होगा। आलू की कीमतों में भी गिरावट आने की उम्मीद है, हालांकि कम आपूर्ति के कारण टमाटर की कीमतें ऊंची बनी रहेगी। दालों की कीमत, जो कि शाकाहारी थाली की लागत का 9 प्रतिशत है, पिछले वर्ष उत्पादन में कमी के कारण 14 प्रतिशत बढ़ गई। रिपोर्ट के अनुसार, ईंधन की लागत में 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले साल सितंबर में दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 903 रुपये से घटकर इस साल मार्च में 803 रुपये हो गई। ईंधन की लागत में आई इस गिरावट की वजह से थाली की लागत में और वृद्धि रुक गई। रिपोर्ट के अनुसार, मांसाहारी थाली में ब्रॉयलर की कीमत में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की अनुमानित गिरावट आई है। यह मांसाहारी थाली की कीमत का 50 प्रतिशत हिस्सा है।

हम बंटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे

कांग्रेस को अब अर्बन नक्सल का गैंग चला रहा है: पीएम मोदी

फरीदाबाद (एजेंसी)। पीएम मोदी ने ठाणे में 32,800 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़णवीस और अजीत पवार भी मौजूद रहे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने मुंबई मेट्रो लाइन-3 के बीकेसी से आरे जेवीएलआर खंड का उद्घाटन किया, जिसकी लागत लगभग 14,120 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री ने करीब 12,200 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली ठाणे इंटीग्रल रिंग मेट्रो रेल परियोजना की आधारशिला रखी।

इस दौरान मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा दिया है। उन्होंने कहा कि ये केवल मराठी और महाराष्ट्र का सम्मान नहीं है, बल्कि ये उस परंपरा का सम्मान है, जिसने इस देश को ज्ञान, दर्शन, अध्यात्म और साहित्य की समृद्ध संस्कृति दी है। मैं इसके लिए देश और दुनिया में मराठी बोलने वालों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि आज महायुति सरकार ने मुंबई एमएमआर में 33,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं शुरू की हैं। इसके अलावा, 12,000 करोड़ रुपये से अधिक की ठाणे इंटीग्रल रिंग मेट्रो रेल की नींव रखी गई है। ये विकास कार्य मुंबई और ठाणे को आधुनिक पहचान देंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ठाणे से बाबा साहेब ठाकरे का खास लगाव था। ये स्व. आनंद दिघे जी का भी शहर है। इस शहर ने देश को आनंदी बाई जोशी जैसी देश की पहली महिला डॉक्टर दी थी। आज हम इन विकासकार्यों के जरिए इन महान विभूतियों के संकल्प को भी पूरा कर रहे हैं। मैं इन सभी विकासकार्यों के लिए महाराष्ट्र के सभी लोगों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि आज हर भारतवासी का एक ही लक्ष्य है, 'विकसित भारत'... इसलिए हमारी सरकार का हर निर्णय, हर संकल्प, हर सपना 'विकसित भारत' के लिए समर्पित है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज एक तरफ महायुति सरकार है, जो महाराष्ट्र के विकास को ही अपना लक्ष्य मानती है। दूसरी ओर कांग्रेस और महाअघाड़ी वाले लोग हैं, उन्हें जब भी मौका मिलता है, वो विकास के काम को ठप्प कर देते हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई में मेट्रो लाइन-3 की शुरुआत देवेन्द्र फडणवीस के मुख्यमंत्री रहते हुई थी। इसका 60 प्रतिशत काम उनके कार्यकाल में हो भी गया था, लेकिन फिर महाअघाड़ी की सरकार आ गई। महाअघाड़ी वालों ने अपने अहंकार में मेट्रो का काम लटका दिया, 2.5 साल तक काम अटके रहने से प्रोजेक्ट की कीमत 14 हजार करोड़ रुपये बढ़ गई।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस, भारत की सबसे बेईमान और भ्रष्ट पार्टी है। चाहे कोई भी दौर हो, कोई भी राज्य हो, कांग्रेस का चरित्र नहीं बदलता ! उन्होंने कहा कि आप पिछले एक हफ्ते का हाल देख लीजिए... कांग्रेस के एक छ्रूका जमीन घोटाले में नाम आया है, उनके एक मंत्री महिलाओं को गालियां दे रहे हैं, उनको अप?मानित कर रहे हैं, हरियाणा में कांग्रेस का एक नेता ड्रग्स के साथ पकड़ा गया है। कांग्रेस चुनाव में बड़े-बड़े वादे करती है, लेकिन सरकार बनने पर जनता के शोषण का नया नया तरीका खोजती है। आए दिन, नए-नए टैक्स लगाकर अपने घोटालों के लिए पैसा जुटाना ही इनका एजेंडा है।

लोगों को भयभीत कर शिवाजी महाराज के समक्ष शीश झुकाने का कोई औचित्य नहीं है: राहुल गांधी

कोल्हापुर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लोगों को भयभीत कर और देश के संविधान एवं संस्थानों को बर्बाद करके शिवाजी महाराज के समक्ष शीश झुकाने का कोई औचित्य नहीं है। राहुल गांधी ने पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर शीर में मराठा सम्राज्य के संस्थापक शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा का अनावरण करने से पहले राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में मराठा शासक की स्थापित प्रतिमा के ढहने को लेकर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया और कहा कि पार्टी की विचारधारा सही नहीं है। गांधी ने कहा, ''लोगों को भयभीत करने, देश में संविधान और संस्थानों को बर्बाद करने के बाद शिवाजी महाराज के समक्ष शीश झुकाने का कोई औचित्य नहीं है।'' कांग्रेस नेता की टिप्पणी स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाना बनाकर की गई, जिन्होंने शिवाजी महाराज और उनकी प्रतिमा ढहने से आहत लोगों से माफी मांगी थी। उन्होंने कहा, ''छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक नाम या राजा नहीं हैं।'' प्रधानमंत्री मोदी ने राजकोट किले में 35 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण चार दिसंबर 2023 को नौसेना दिवस के अवसर पर किया था जो 26 अगस्त को ढह गई थी। गांधी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी का दुनिया को संदेश था कि देश सबका है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान उस योद्धा राजा के विचारों का प्रकटीकरण है।

हरियाणा में वोटिंग खत्म, 8 अक्टूबर को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा चुनाव को लेकर वोटिंग खत्म हो चुकी है। आज 90 सीटों पर वोट डाले गए। हरियाणा के साथ साथ जम्मू-कश्मीर के नतीजे 8 अक्टूबर को आएंगे। चुनाव आयोग के अनुसार, शाम 5ऋ30 बजे तक अनुमानित मतदान प्रतिशत 63त्न तक पहुंच गया। हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने कहा कि मैं उन घटनाओं को बड़ा मानता हूं, जो मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं। कुछ छोटी-मोटी घटनाओं की ख़बरें आई हैं। प्रशासन ऐसी चीजों पर नजर रख रहा है। लेकिन, यहां कोई बड़ी घटना नहीं घटी है. और मतदान प्रक्रियाओं पर कोई असर नहीं पड़ा है।

टीवीएसएन प्रसाद ने कहा कि हरियाणा में अब लोग जागरूक हो गए हैं। मैं चुनाव आयोग का भी आभारी हूं कि उसने इतने व्यवस्थित तरीके से चुनाव कराया जो पूरी दुनिया में मशहूर है। हरियाणा में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला है। दोनों ओर से जीत के दावे किए जा रहे हैं। कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम भूपिंदर हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस राज्य में भारी बहुमत से सरकार बनाएगी। बीजेपी जा रही है, कांग्रेस आ रही है। आप अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने कहा कि आज हरियाणा लोकतंत्र का त्योहार मना रहा है। लोग बदलाव के लिए वोट कर रहे हैं, वे राज्य में बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था का इंतजार कर रहे हैं। आप राज्य में तीसरे विकल्प के रूप में आएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर मतदाताओं से झूठ बोलकर राज्य को लूटने की नीति अपनाने का आरोप लगाया। सैनी ने संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस झूठ और लूट की राजनीति करती है और हरियाणा की जनता यह समझ चुकी है। उन्होंने (जनता) हरियाणा में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार दलित समुदाय का अपमान करती रही है और उसने दलितों के उत्थान के लिए कभी कोई योजना तैयार नहीं की।

इस चुनाव में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा के अनिल विज और ओपी धनखड़, कांग्रेस के भूपेंद्र सिंह हुड्डा और विनेश फोगाट, इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के अभय सिंह चौटाला और जननायक जनता पार्टी (जजपा) के दुष्यंत चौटाला आदि प्रमुख चेहरों में शामिल हैं। कांग्रेस के टिकट पर जुलाना विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहीं ओलंपियन विनेश फोगाट ने चरखी दादरी के बाढड़ा विधानसभा में पडने वाले अपने गांव बलाली में परिवार के साथ मतदान किया। वोट डालने के बाद विनेश फोगाट ने मीडिया से बात की और लोगों से भारी संख्या में वोट करने की अपील भी की।

भारत-पाक रिश्तों पर वार्ता के लिए नहीं, एससीओ बैठक के लिए जा रहा हूं इस्लामाबाद: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जाने वाले हैं। उन्होंने पड़ोसी देश की अपनी आगामी यात्रा के दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच किसी वार्ता की संभावना से इनकार किया है। जयशंकर ने माना कि दोनों देशों के बीच संबंधों की प्रकृति को देखते हुए उनकी पाकिस्तान यात्रा पर मीडिया का खासा ध्यान रहेगा लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दौरा किसी बातचीत के लिए नहीं हो रहा है। उल्लेखनीय है कि लगभग एक दशक में यह पहली बार है कि देश के विदेश मंत्री पाकिस्तान का दौरा करेंगे। दोनों देशों के बीच संबंध खास तनावपूर्ण रहे हैं। इसका एक बड़ा कारण पाकिस्तानी धरती से संचालित होने वाली आतंकी गतिविधियां हैं। विदेश मंत्री ने कहा, 'यह (यात्रा) एक बहुपक्षीय कार्यक्रम के लिए होगी। मैं वहां भारत-पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा करने नहीं जा रहा हूं। मैं एससीओ के एक अच्छे सदस्य के रूप में वहां जा रहा हूं। आप जानते हैं, मैं एक विनम्र और सभ्य व्यक्ति हूं, इसलिए उसी के अनुसार व्यवहार करूंगा।' पाकिस्तान 15 और 16 अक्टूबर को एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद (सीएचजी) की बैठक की मेजबानी कर रहा है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से निपटाने में सहयोग करेगा भारत: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इलाके में शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए बनी हुई भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि भारत का जोर क्षेत्र में विवादों के शांतिपूर्वक निपटारे के अलावा सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने की ओर है। भारत यहां एक नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और यूएन के तहत बनाए गए वैश्विक नियम-कानूनों के सम्मान के अपने पुराने रुख पर कायम है। यह जानकारी राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में आयोजित किए गए इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग-2024 (आईपीआरडी) को संबोधित करते हुए दी। यह तीन दिवसीय सम्मेलन है जिसकी शुरुआत बीते तीन अक्टूबर को हो गई थी।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लिए भारत का विजन सतत-आर्थिक विकास और आपसी सुरक्षा को लेकर भागीदारी बढ़ाने की ओर है। हमें क्षेत्र में एक भरोसेमंद, पसंदीदा सुरक्षा भागीदार और हिंद-प्रशांत में सबसे पहले प्रतिक्रिया करने वाले देश के रूप में देखा जा रहा है। हम आसियान की केंद्रीयता के साथ क्षेत्रीय संवाद, स्थायित्व और सामूहिक विकास के पक्षधर हैं। भारत महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा को बनाए रखने के लिए कटिबद्ध है। उसकी क्षेत्रीय भागीदार देशों के साथ तमाम गतिविधियां जारी हैं। इनमें द्विपक्षीय अभ्यास, सूचना साझा करने वाले कदम और सामूहिक समुद्री सुरक्षा तंत्र को मजबूती प्रदान करना शामिल है। इलाके में हिंद-प्रशांत के देशों के साथ सहयोग बढ़ाने में भारतीय नौसेना की काफी अहम भूमिका है। वह लगातार तमाम भागीदारों के साथ क्षमता विकास में लगी हुई है। भारत का हित विवाद में नहीं बल्कि समुद्री सहयोग को लगातार बढ़ावा देने की ओर है। किसी देश का हित अन्य किसी के साथ विवाद में आने का नहीं होना चाहिए। हम साथ मिलकर कार्य कर सकते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि तेजी से बदलते अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिदृश्य को शक्तियों के बदलते आयाम, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा और उभरते सुरक्षा खतरे आकार दे रहे हैं। हिंद-प्रशांत का उभार वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन को प्रदर्शित करता है। यह दुनिया का सबसे जटिल भू राजनीतिक जोन है। जो आर्थिक और सामरिक हितों का केंद्र बिंदु है। यहां पूर्व में मौजूद कई अंतरराष्ट्रीय विवाद, प्रतिस्पर्धा और विवाद भी हैं। इनमें से कुछ स्थानीय प्रकृति के हैं जबकि कई के वैश्विक परिणाम, प्रभाव भी हैं। समुद्री संसाधनों के सम्मान के साथ हम देख रहे हैं कि भू राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में सराहनीय वृद्धि देखने को मिल रही है। जनसंख्या के निरंतर बढ़ने के साथ समुद्री संसाधनों की मांग भी बढ़ रही है।उधर, एसआईडीएम के 7 वें

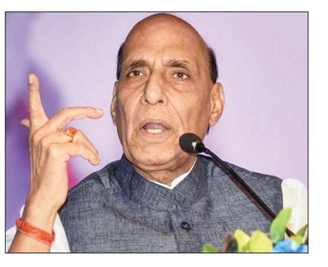

वार्षिक सत्र में रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार रक्षा उद्योग को निर्यातोन्मुखी बनाकर भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उजागर करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र ने उद्योग को लक्ष्योन्मुखी दृष्टिकोण के साथ बढ़ते हुए निर्यात अनुपात आयात को कम करने के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने संगठन से बड़ी कंपनियों और विदेशी ओईएम को भारत में निवेश करने या कंपनी-2 आधार पर संयुक्त उद्यम खोलने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रोडमैप तैयार करने का अनुरोध किया।

मौत के बाद भी सरोगेसी के माध्यम से बच्चा पैदा करने पर कानूनी रोक नहीं: दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मृत व्यक्ति के स्पर्म से सरोगेसी से बच्चा पैदा करने पर कानूनी रोक नहीं है। इस आशय का फैसला दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया है। दरअसल, मामला ये था कि सर गंगाराम अस्पताल को एक मृत व्यक्ति के फ्रीज कराए गए स्पर्म को अस्पताल ने देने से इनकार कर दिया था। जब मामला अदालत में पहुंचा तो कोर्ट स्पर्म सौंपने का आदेश देते हुए साफ कहा कि इससे सरोगेसी से बच्चा पैदा करने पर कोई कानूनी रोक नहीं है।

इस मामले की शुरुआत कैंसर से पीड़ित बेटे की कीमोथेरेपी शुरू होने से पहले 2020 में उसके वीर्य के नमूने को फ्रीज करवाने से हुई थी। क्योंकि डॉक्टरों ने बताया था कि कैंसर के इलाज से बांझपन हो सकता है। इसलिए उनके बेटे ने जून 2020 में अस्पताल की आईवीएफ लैब में अपने स्पर्म को फ्रीज करने का फैसला किया था। जब मृतक के माता-पिता ने वीर्य का नमूना लेने के लिए अस्पताल से संपर्क किया तो अस्पताल ने कहा कि अदालत के उचित आदेश के बिना नमूना जारी नहीं किया जा सकता। अदालत ने 84 पेज के फैसले में कहा कि याचिका में संतान को जन्म देने से संबंधित कानूनी व नैतिक मुद्दों समेत कई महत्वपूर्ण मसले उठाए गए हैं। अदालत ने कहा, 'माता-पिता को अपने बेटे की अनुपस्थिति में पोते-पोती को जन्म देने का मौका मिल सकता है। ऐसे हालात में अदालत के सामने कानूनी मुद्दों के अलावा नैतिक, आचारिक और आध्यात्मिक मुद्दे भी होते हैं।'

मौत के बाद प्रजनन का मतलब एक या दोनों जैविक माता-पिता की मृत्यु के बाद सहायक प्रजनन तकनीक (सरोगेसी) का उपयोग करके गर्भधारण की प्रक्रिया से है। जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह ने इस तरह के पहले निर्णय में कहा, वर्तमान भारतीय कानून के तहत, यदि स्पर्म या ऐग के मालिक की सहमति का सबूत पेश किया जाता है, तो उसकी मौत के बाद प्रजनन पर कोई रोक नहीं है।अदालत ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय इस निर्णय पर विचार करेगा कि क्या मौत के बाद प्रजनन या इससे संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए किसी कानून, अधिनियम या दिशा-निर्देश की आवश्यकता है।अदालत ने यह फैसला सुनाते हुए सर गंगाराम अस्पताल को निर्देश दिया कि वह दंपती को उनके मृत अविवाहित बेटे के संरक्षित रखे गए स्पर्म उन्हें तत्काल प्रदान करें, ताकि सरोगेसी के माध्यम से उनका वंश आगे बढ़ सके।

बाढ़ के पानी में डूबने से अब तक पांच की मौत, लापता की तलाश जारी

पटना। बिहार के दरभंगा जिले के पूर्वी इलाके में बाढ़ के पानी में डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं एक शख्स लापता है, जिला प्रशासन एनडीआरएफ की मदद से उसकी तलाश में जुटा है। इसकी पुष्टि दरभंगा के जिलाधिकारी ने की है। डीएम ने बताया कि दरभंगा जिले में अलग-अलग जगहों पर बाढ़ के पानी में डूबने से अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि एक लापता है। सरकार ने मृतक के परिवार को सहायता राशि भी दी है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि कमला और कोशी नदी का पानी हर दिन कम हो रहा है। उन्होंने आगे बताया कि बाढ़ का पानी ज्यादातर घरों से निकल गया है। कुछ बाढ़ पीड़ित अपने घरों को लौट रहे हैं, जिनके गांव और घर अभी भी बाढ़ में डूबे हैं, वे अभी भी ऊंचे स्थानों पर हैं। सरकार की ओर से उन्हें हर तरह की राहत और मदद मुहैया कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि दरभंगा शहर से होकर गुजरने वाली बागमती नदी का पानी बढ़ रहा है। यह पानी सीतामढ़ी की ओर से आ रहा है, लेकिन पानी बढ़ने की गति काफी कम है। ऐसे में दरभंगा शहर पर अभी बाढ़ का कोई खतरा नहीं है। इसके बावजूद प्रशासन बागमती नदी के जल प्रवाह पर कड़ी नजर रखे हुए है।

नेपाल में फिर तेज बारिश, बिहार में बढ़ सकता है खतरा

पटना। बिहार के 18 जिलों में बाढ़ ने तांडव मचा दिया है। कोसी, गंडक, बागमती, महानंदा जैसी नदियां उफान पर हैं। हालांकि, अब कुछ जगहों पर जलस्तर कम हो रहा है, लेकिन मुसीबत और सियासत दोनों ही बढ़ रही है। बिहार सीएम नीतीश कुमार बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे कर रहे हैं। ग्राउंड जीरो पर जाकर बाढ़ पीड़ितों को हर संभव मदद का भरोसा दे रहे हैं। वहीं, नेपाल में एक बार फिर से तेज बारिश हो हुई है, इससे बिहार को खतरा पैदा हो गया है। वैसे ही बिहार के लोग अभी बाढ़ की मार झेल रहे हैं लेकिन इसको लेकर प्रशासन सतर्क है।

छात्र ने अपनी ही टीचर से किया दुष्कर्म, वीडियो बनाकर किया वायरल, चार गिरफ्तार

आगरा। यूपी के आगरा में 10वीं के छात्र पर अपने ही स्कूल की महिला टीचर का शारीरिक शोषण करने का आरोप लगा है। छात्र ने टीचर का वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर वायरल भी कर दिया। महिला टीचर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर छात्र और उसके तीन दोस्तों को हिरासत में लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक पीड़ित महिला टीचर शाहगंज की रहने वाली है। पीड़िता मथुरा जिले के जैत गांव के एक स्कूल में पढ़ाती थी। महिला नौकरी के चलते वहां किराए का कमरा लेकर रह रही थी। उसके स्कूल का ही 10वीं का एक छात्र पढ़ाई में कमजोर था। इसी वजह से छात्र ने टीचर से अलग से क्लास लेना शुरू कर दिया। एक्स्ट्रा क्लास लेने के दौरान छात्र ने महिला टीचर को अपने जाल में फंसा लिया। फिर छात्र ने अपनी ही टीचर शारीरिक शोषण किया और इसका वीडियो बना लिया। टीचर ने पुलिस को बताया कि छात्र वीडियो दिखाकर उसे ब्लैकमेल करने लगा। इसके बाद टीचर ने छात्र का नंबर ब्लॉक कर दिया। वह नौकरी छोड़कर अपने घर आगरा लौट आई। इसके बाद छात्र ने शारीरिक शोषण का वीडियो अपने ही गांव के तीन दोस्तों को भेज दिया। सभी ने वीडियो को उसके व्हाट्सएप पर भेजकर टीचर पर मिलने का दबाव बनाया। टीचर ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया तो लड़कों ने इंस्टाग्राम पर वीडियो वायरल कर दिया।

20 साल बाद शोपियां गांव में अर्धनारीश्वर मंदिर में हुई पूजा, मुस्लिमों ने किया स्वागत

श्रीनगर। कश्मीरी पंडितों ने 20 साल बाद उत्तरी कश्मीर के शोपियां जिले के नादिमर्ग गांव में अर्धनारीश्वर मंदिर में पूजा कर मूर्ति की स्थापना की। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मंदिर में दूर-दराज के इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा में हिस्सा लेने उमड़ पड़े। 20 साल के बाद शांतिपूर्ण माहौल में पूजा समारोह आयोजित की गई, जिसमें मुसलमानों ने कश्मीरी पंडितों का जोरदार स्वागत किया, जो पूजा में शामिल होने मंदिर पहुंचे थे। शोपियां के डीसी मोहम्मद शाहिद सलीम डार ने अर्धनारीश्वर मंदिर का दौरा किया और कहा कि यह अवसर शांति और समृद्धि के युग का प्रतीक है। समारोह में जिला और उपमंडल अधिकारियों के साथ स्थानीय लोग भी शामिल हुए। श्रद्धालुओं को जरुरी सेवाएं प्रदान करने वाले अन्य विभागों के साथ उचित सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। डीसी डार ने व्यवस्थाओं की समीक्षा की और श्रद्धालुओं से बातचीत की और सामुदायिक भवन या यात्रा भवन की स्थापना व कल्याण संबंधी मुद्दों को सुना। उन्होंने इस मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। डार ने नादिमर्ग में कश्मीरी पंडितों के खाली पड़े घरों का भी दौरा किया।

अचानक बदला मौसम, पंजाब, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में हुई झमाझम, अलर्ट जारी

नई दिल्ली। पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में देर रात अचानक मौसम बदल गया। तीनों राज्यों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। इसके साथ ही लोगों को पिछले दिनों उमस भरी गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग ने पंजाब के कई जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक गुरुदासपुर, अमृतसर, होशियारपुर और कपूरथला के लिए ओरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। इसके साथ ही 5 से 15 मिमी बारिश होने की संभावना है। वहीं, तरनतारन, जालंधर, मोगा, फरीदकोट, मुक्तसर और फज्लिका के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक इन जिलों में 20 से 40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और पांच मिमी बारिश हो सकती है। जम्मू और हिमाचल प्रदेश में भी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने कुपवाड़ा, डोडा, कटुआ, बारामूला, शोपियां, पुलवामा समेत कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है।

पीएम मोदी, स्वामी विवेकानंद की बात कर रहे साकार, आज देश कर रहा प्रगति : भजनलाल

-भाजपा सदस्यता अभियान और राइजिंग राजस्थान पर प्रबुद्धजनों से की बात

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी स्वामी विवेकानंद की बात 21वीं सदी भारत के नाम को साकार कर रहे हैं जिससे आज देश में प्रगति और बदलाव नजर आ रहा है। सीएम शर्मा बीजेपी के आर्थिक प्रकोष्ठ की ओर से राइजिंग राजस्थान और बीजेपी सदस्यता अभियान को लेकर प्रबुद्धजनों के साथ बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने राजस्थान के आर्थिक विकास के लिए राइजिंग राजस्थान समिट में सुझाव और सहयोग को अहम बताते हुए कहा कि प्रदेश को आगे बढ़ाने वाले सुझाव आमंत्रित हैं, सरकार इन सुझाव पर कार्य करेगी। सीएम भजनलाल ने कहा कि आज देश की प्रगति के साथ देश में हो रहा परिवर्तन साफ नजर आ रहा है फिर चाहे वो आतंकवाद को खत्म करना हो या देश से गरीबी दूर करने हो या फिर दुनिया में भारत का परचम लहराना हो।

प्रदेश के साथ राष्ट्र की मजबूती के लिए बीजेपी में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में सभी को बीजेपी के सदस्यता अभियान में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी है। उन्होंने बीजेपी सदस्यता अभियान को राजनीति का विस्तार नहीं, विकास और राष्ट्रवाद पर आधारित विचारधारा का समर्थन बताते हुए कहा कि आप जैसे प्रबुद्धजन बीजेपी से जुड़ेगा तो देश मजबूत होगा।

सीएम ने कहा राइजिंग राजस्थान के तहत मुंबई और दिल्ली में किए गए रोड शो से 12.5 लाख करोड़ के निवेश के लिए एमओयू किए गए। हमारी सरकार ने एमओयू साइन करने के साथ ही उन कंपनियों को तमाम सुविधाएं देने की दिशा में भी काम शुरू कर दिया। राजस्थान में निवेश और उद्योग की अपार संभावनाओं को देखते हुए विदेशों से भी निवेश लाया जाएगा। राजस्थान सरकार जल्द ही यूके और जर्मनी में भी राइजिंग राजस्थान समिट के लिए जाएगी और विदेशी निवेशकों को आमंत्रित किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सीएम को लक्ष्मीपुत्र बताते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान में प्रबुद्धजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अपने संपर्कों और प्रभाव का इस्तेमला कर राइजिंग राजस्थान में अपनी सहभागिता निभा सकते है। पिछली सरकार निवेशकों को विश्वास ही नहीं दिला पाई। इसके चलते निवेश नहीं आया लेकिन अब मोदीजी के नेतृत्व में राजस्थान में डबल इंजन सरकार है। बीजेपी जो कहती है, वह करती है। बीजेपी सभी प्रकार का सहयोग निवेशकों को प्रदान करेगी।

नरसिंहानंद सरस्वती की आपत्तिजनक टिप्पणी पर मचा बवाल, मायावती ने की सख्त कार्रवाई की मांग

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर गाजियाबाद जिले के डासना स्थित मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को संविधान में प्रदत्त धर्मनिरपेक्षता की गारंटी का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, ''उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में डासना देवी मंदिर के महंत ने इस्लाम के खिलाफ फिर नफरती बयानबाजी की जिससे उस पूरे इलाके में तथा देश के कई हिस्सों में अशांति एवं तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ तो कार्रवाई की लेकिन मूल दोषी भयमुक्त है।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय संविधान धर्मनिरपेक्षता यानी सभी धर्मों के समान आदर-सम्मान की गारंटी सुनिश्चित करता है। अतः केंद्र एवं राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करें ताकि देश में शांति रहे तथा विकास बाधित न हो।''

पश्चिम बंगाल में 10 साल की बच्ची बनी हैवानियत का शिकार, हाई कोर्ट ने दिया फिर से पोस्टमार्टम करने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना में एक 10 साल की बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, बच्ची शुक्रवार को अपनी ट्यूशन कक्षाओं के बाद जयनगर स्थित अपने घर लौट रही थी, जब उसके साथ घटना हुई। इस मामले के सामने आने के बाद से जिले का माहौल गरमाया हुआ है। स्थानीय लोगों की भीड़ पुलिस चौकी में आग लगा दी और पुलिसकर्मियों पर पथराव किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने चौकी के बाहर खड़े कई वाहनों में तोड़फोड़ भी की और पुलिसकर्मियों को परिसर छोड़ने पर मजबूर कर दिया। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को भेजा गया और एसडीपीओ एवं अन्य वरिष्ठ पुलिसकर्मियों को मौके पर ही रोकने की कोशिश कर रही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे गए।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने दिया फिर से पोस्टमार्टम करवाने का आदेश

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने रविवार को स्कूली छात्रा का फिर से पोस्टमार्टम करवाने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने बच्ची के माता-पिता की याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्देश दिया कि दूसरा पोस्टमार्टम सोमवार को कल्याणी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अस्पताल में, बरुईपुर अदालत के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) की उपस्थिति में किया जाए।

अदालत ने कहा कि अगर एम्स (कल्याणी) में पोस्टमार्टम करने के लिए आवश्यक सुविधाओं की कमी है, तो इसे वहीं स्थित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल अस्पताल में किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति घोष ने आदेश दिया कि पुलिस को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज करना चाहिए।

कांग्रेस संविधान बदलने का फेक नैरेटिव फैला रही: रिजिजू

-डॉ भीमराव अंबेडकर के अनुयायी उनके अपमान को याद रखें

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने नागपुर में कांग्रेस पर आरोप लगाए कि कांग्रेस ने डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उसने पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी के खिलाफ आरक्षण समाप्त करने का एक फेक नैरेटिव खड़ा किया। रिजिजू ने कहा यह दुख की बात है कि अनुसूचित जाति और जनजाति समाज के कुछ लोग ऐसे लोगों को समर्थन और सम्मान देते हैं जिन्होंने डाक्टर अंबेडकर का अपमान किया है।

रिजिजू ने अपने एक्स पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने बाबा साहेब अंबेडकर के अनुयायियों से आह्वान किया कि वे उनके अपमान को याद रखें। उन्होंने कहा कि जो लोग आपातकाल लगाकर भारत के संविधान का दुरुपयोग करते हैं, उन्हें अंबेडकर का अपमान करने का हक नहीं है। रिजिजू ने आगे कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर के निधन और 2014 में पीएम मोदी के सत्ता में आने के बीच के घटनाक्रम को जानना जरूरी है। रिजिजू ने कहा कि अंबेडकर ने जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ पत्र लिखा था कि वे उनके साथ मंत्री पद नहीं संभाल सकते। जहां भी बाबासाहेब चुनाव लड़ते थे, कांग्रेस उन्हें हराने के लिए पूरी ताकत लगा देती थी। उन्होंने यह भी कहा कि अंबेडकर को उनके निधन के कई सालों बाद भारत रत्न से सम्मानित किया गया। रिजिजू ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अंबेडकर के सम्मान में पांच तीर्थ स्थलों का विकास किया है, जिनमें मऊ, लंदन में उनका घर, दिल्ली में महापरिनिर्वाण स्थल शामिल हैं।

रिजिजू ने कांग्रेस पर इमरजेंसी के दौरान संविधान का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया और कहा कि पीएम मोदी ने संविधान को सम्मानित किया और संविधान दिवस मनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस उन पर संविधान बदलने का फेक नैरेटिव फैला रही है। रिजिजू ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि महाराष्ट्र जैसे राज्य में बाबासाहेब के अपमान करने वालों का समर्थन देखने से उन्हें गहरा आघात हुआ। उन्होंने अनुसूचित जाति और जनजाति समुदाय से अपील की कि वे बाबासाहेब अंबेडकर के

अपमान को भूलने न दें और उनकी विरासत को बनाए रखें। रिजिजू ने जोर देकर कहा कि सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को आगे बढ़ाते हुए बाबासाहेब के सपनों को पूरा करने के लिए उन्हें पीएम मोदी का समर्थन करना चाहिए।

गोवा में सांप्रदायिक तनाव भड़का रही है बीजेपी, राहुल गांधी ने कहा- लोग इस विभाजनकारी एजेंडे को देख रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी पर जानबूझकर गोवा में सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रयासों को चुनौती दी जाएगी क्योंकि गोवा और पूरे भारत के लोग इस विभाजनकारी एजेंडे को समझते हैं और एकजुट हैं।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'गोवा का आकर्षण इसकी प्राकृतिक सुंदरता और इसके विविध और सामंजस्यपूर्ण लोगों की गर्मजोशी और आतिथ्य में निहित है।' उन्होंने आगे कहा कि दुर्भाग्य से, भाजपा शासन में इस सद्भाव पर हमला हो रहा है। भाजपा जानबूझकर सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा दे रही है, जिसमें आरएसएस के एक पूर्व नेता ईसाइयों और संघ से जुड़े संगठनों को भड़काकर मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार का आह्वान कर रहे हैं।

गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे भारत में, संघ परिवार द्वारा इसी तरह की कार्रवाइयाँ बिना किसी रोक-टोक के जारी हैं, जिन्हें उच्चतम स्तरों से समर्थन मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'गोवा में, भाजपा की रणनीति स्पष्ट है, अवैध रूप से हरी भूमि को परिवर्तित करके और पर्यावरण नियमों को दरकिनार करके पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों का दोहन करते हुए लोगों को विभाजित करना - गोवा की प्राकृतिक और सामाजिक विरासत पर हमला।'

अंत में उन्होंने लिखा, 'ऐसा नहीं है कि भाजपा की कोशिशों को चुनौती नहीं दी जाएगी। गोवा और पूरे भारत के लोग इस विभाजनकारी एजेंडे को देख रहे हैं तथा एकजुट खड़े हैं।'

जम्मू-कश्मीर चुनाव: एग्जिट पोल में इंडिया ब्लाक मजबूत, बीजेपी पिछड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आ रहे हैं जो यह इशारे कर रहे हैं कि जो गठबंधन सरकार बनाते हुए नजर रहा है, जरुरी नहीं सत्ता पर काबिज भी वही हो। एग्जिट पोल सर्वे के मुताबिक तो इंडिया ब्लॉक के बैनर तले चुनाव लड़ रहे कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को बढ़त मिलती दिख रही है और बीजेपी पिछड़ रही है, लेकिन राजनीति हमेशा आंकड़ों की मोहताज नहीं होती।

राजनीति में सत्ता जिसके हाथ में होती है, उसके पास बहुत सारे हथकंडे होते हैं और लोहा भले ही आपस में एक दूसरे को काटता रहे, लेकिन सत्ता वो चुंबक है जिसकी तरफ लोहा खिंचता चला जाता है। हमें इंतजार करना होगा, जम्मू-कश्मीर में भी 2019 के हरियाणा की तरह 'खेला' देखने को मिल सकता है। काफी हद तक मुमकिन है कि हरियाणा में जो रोल 2019 में जेजेपी नेता दुष्यंत चौटाला ने निभाया था, पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती भी उसी भूमिका में नजर आ सकती हैं।

एग्जिट पोल के मुताबिक बीजेपी को इस बार 27 से 32 सीटें मिलने की उम्मीद है, जो पिछली बार यानी 2014 में मिली 25 सीटों से ज्यादा हो सकती है। बता दें तब बीजेपी और पीडीपी की गठबंधन सरकार बनी थी। अव्वल तो वैसी सूरत में इस बार सीएम पद पर दावा बीजेपी का ही बनता है, लेकिन महबूबा मुफ्ती ने तगड़ी सौदेबाजी की तो फिर से बात बन भी सकती है।

पिछली बार पीडीपी ने 28 सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार उसे 6 से 12 सीटें ही मिलती नजर आ रही हैं। कम से कम 16 से 22 सीटों का नुकसान हो रहा है और वैसे ही अन्य दलों के हिस्से में इस बार 6 से 8 सीटें जाने का अनुमान है। हालांकि, आंकड़ों को तुलनात्मक तरीके से देखते वक्त ये भी ध्यान रखना चाहिये कि ये चुनाव डीलिमिटेशन के बाद हो रहा है। नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस इस बार उनके हिस्से में डबल सीटें आती हुई लग रही हैं, 2014 में नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस को मिलाकर कुल 24 सीटें मिली थीं, जबकि इस बार के एग्जिट पोल में 40 से 48 सीटें मिलने की उम्मीद है, जिस तरह बीजेपी ने हड़बड़ी में पांच विधायकों को नॉमिनेट करने का फैसला किया है, साफ तौर पर समझा जा सकता है कि वह सरकार बनाने की कवायद में पहले से ही जुट गई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्रालय की सिफारिश पर उप राज्यपाल मनोज सिन्हा जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए पांच सदस्यों को नामित करेंगे। ये प्रक्रिया जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन के बाद पहली बार अपनाई जाएगी। उप राज्यपाल की तरफ से पांच सदस्यों को मनोनित किये जाने के बाद जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सदस्यों की संख्या बढ़कर 95 हो जाएगी और इसकी वजह से सरकार बनाने के लिए बहुमत का जादुई आंकड़ा 48 हो जाएगा।

बीजेपी अगर जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने की स्थिति में खड़ी हो जाती है, तो सबसे पहले वह पीडीपी का रुख करेगी। पीडीपी के लिए बीजेपी का ऑफर स?वीकार करना मुश्किल हो सकता है, क?योंकि एक बार गठबंधन सरकार चलाने के उसका बहुत बुरा अनुभव रहा है। अगर नेशनल कांफ्रेंस की अगुवाई वाला गठबंधन 48 सीटें हासिल कर भी लेता है, तो बहुमत मिलने के बाद भी सरकार तलवार की धार पर ही चलेगी।

देश की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर होने की आशंका

पटना (एजेंसी)। एक बार फिर देश की राजनीति में बड़ा उलटफेर होने की आशंका बन रही है। दरअसल तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है। विश्वसनीय सूत्रों की मानें तो अगर बीजेपी हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव हार जाती है तो विपक्ष के पास अपनी ताकत नए तरीके से मजबूत करने का मौका होगा। अगर झारखंड में सत्ता में आने की बीजेपी की कोशिशें सफल नहीं हुईं तो विपक्ष की ताकत बढ़ेगी। ऐसे में बीजेपी के साथ फिलहाल जो पार्टियां सत्ता में हैं, जिनकी विचारधारा अलग है, लेकिन जो नेता न चाहते हुए भी सत्ता में बैठे हैं, वो बीजेपी को झटका दे सकते हैं। ऐसी पार्टियों में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू), लोक जनशक्ति पार्टी-आर तथा तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) शामिल हैं। इन तीनों पार्टियों के समर्थन से केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार चल रही है। समय-समय पर इन पार्टियों ने बीजेपी की छुट्टी भी कर दी है। टीडीपी ने पहले अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। 2014 में टीडीपी ने बीजेपी से हाथ मिला लिया था, लेकिन 2019 में वह बीजेपी की कट्टर विरोधी बन गई। टीडीपी फिलहाल बीजेपी के साथ है। एलजेपी-आर भी फिलहाल बीजेपी की सहयोगी है। लेकिन, उसके नेता चिराग पासवान की भूमिका बदलती दिख रही है। जेडीयू नेता नीतीश कुमार को पलटूराम के नाम से जाना जाता है, इसलिए वह कभी भी पलटवार कर सकते हैं। ऐसे में इंडिया अलायंस का पहला निशाना बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही रहने वाले हैं। इंडिया अलायंस पहले ही उन्हें प्रधानमंत्री पद की पेशकश कर चुकी है। ये बात केसी त्यागी ने तब कही थी जब वो जेडीयू के प्रवक्ता थे। हालांकि, इसके

बाद नीतीश कुमार ने चुप्पी साध ली और बीजेपी के साथ चले गए। अभी तक उनकी ओर से इस संबंध में कोई संकेत नहीं मिला है, लेकिन जिस तरह से जदयू के लोग उन्हें प्रधानमंत्री पद का दावेदार बता रहे हैं, उससे ऐसा लग रहा है कि मौका मिलने पर वह पीछे नहीं हटेंगे। इसका एक और बड़ा कारण यह है कि जब 2020 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार को चिराग पासवान के कारण बड़ा झटका लगा, तो उन्होंने मुख्यमंत्री पद स्वीकार करने से इनकार कर दिया था क्योंकि वह 43 विधायकों वाली पार्टी के नेता थे। हालाँकि, उन्होंने 24 घंटे के भीतर अपना मन बदल लिया। इसी तरह अगर सही मायने में नीतीश कुमार को इंडिया अलायंस की ओर से प्रधानमंत्री बनने का ऑफर मिलता है तो वे इससे इनकार नहीं कर पाएंगे। लेकिन सूत्रों की मानें तो ऐसा वे तब करेंगे जब बीजेपी तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में हार जाएगी।

पश्चिम बंगाल के लोगों को याद आया 160 साल पहले आया चक्रवात

कोलकाता (एजेंसी)। इन दिनों बंगाल की खाड़ी में चक्रवात का असर देखा जा रहा है, जिससे पश्चिम बंगाल में बारिश हो रही है और दुर्गा पूजा की तैयारियों पर भी इसका असर पड़ रहा है। लेकिन, यह मौसम केवल वर्तमान की कहानी नहीं कहता। बल्कि आज से 160 साल पहले, 5 अक्टूबर 1864 को, बंगाल ने एक विनाशकारी चक्रवात का सामना किया था, जिसने हजारों लोगों की जिंदगी तबाह कर दी थी।

इस चक्रवात ने न केवल आम जनजीवन, बल्कि सरकारी इमारतों जैसे हाई कोर्ट, टेलीग्राफ दफ्तर और जेल को भी भारी नुकसान पहुंचाया। उस दिन समुद्र का जलस्तर 40 फीट तक बढ़ गया, जिससे सैकड़ों फूस के घर और हजारों मिट्टी के घर पूरी तरह से नष्ट हो गए थे। खजूरी बंदरगाह, जो कभी व्यापार का मुख्य केंद्र था, समुद्र में डूब गया। बंगाल का पूर्वी मेदिनीपुर जिला, विशेष रूप से खेजुरी, जो एक प्रमुख आयात-निर्यात केंद्र था, समुद्री तूफान की चपेट में आ गया। चक्रवात ने कोलकाता सहित एक बड़े हिस्से को तहस-नहस कर दिया था। कोलकाता में बाढ़ की स्थिति भयानक थी, जिसमें लगभग 60,000 लोगों की जान चली गई थी। बाढ़ के बाद भी बीमारी और संक्रमण के चलते कई लोगों ने अपनी जान गंवा दी।

खास बात यह थी कि एक डकैती मामले में 32 लोगों को कोलकाता ले जाया जा रहा था, जिन्होंने सड़क पर इस विनाशकारी तूफान का सामना किया। इनमें से केवल 2 लोग ही जीवित बच सके। उस दिन भारी बारिश भी हुई, जिसके दौरान खजूरी से कुछ ही दूरी पर स्थित कौखली गांव में लाइटहाउस की ऊंचाई तक पानी भर गया था। 5 अक्टूबर 1864 का चक्रवात बंगाल के इतिहास में एक काले दिन के रूप में दर्ज है, जिसने न केवल क्षेत्र को बर्बाद किया, बल्कि हजारों लोगों की जिंदगियों को भी हमेशा के लिए बदल दिया।

संक्षिप्त समाचार

मिंगमा ने रचा इतिहास, अतिरिक्त ऑक्सीजन बगैर 8000 मीटर से अधिक ऊंची 14 चोटियां चढ़ने वाले पहले पर्वतारोही बने

काठमांडू, एजेंसी। प्रसिद्ध नेपाली पर्वतारोही मिंगमा जी. शेरपा ने अतिरिक्त ऑक्सीजन का उपयोग किए बिना 8,000 मीटर से अधिक ऊंची सभी 14 चोटियों पर चढ़ने वाले पहले नेपाली पर्वतारोही बनकर शुक्रवार को इतिहास रच दिया। अभियान का आयोजन करने वाले इमेजिन नेपाल ट्रेक्स के निदेशक दावा शेरपा ने दावा किया कि 38 वर्षीय मिंगमा शाम करीब 4ः06 बजे तिब्बत में शीशपांगमा (8,027 मीटर) की चोटी पर पहुंचे और इस तरह वह बिना अतिरिक्त ऑक्सीजन के 8,000 मीटर ऊंची चोटियों में से 14 पर चढ़ने वाले नेपाल के पहले पर्वतारोही बन गए। आयोजक ने कहा, इमेजिन नेपाल ट्रेक्स के 11 सदस्यीय दल का नेतृत्व करते हुए मिंगमा जी. 2006 में एडर्न पासाबान द्वारा अपनाए गए स्पेनिश मार्ग से शाम 4ः06 बजे शिखर पर पहुंचे। मिंगमा का जन्म पूर्वी नेपाल के दोलखा जिले के रोलवालिंग ग्रामीण नगरपालिका क्षेत्र में हुआ था। वह इमेजिन नेपाल ट्रेक्स के प्रबंध निदेशक हैं।

लेबनान को 157 मिलियन डॉलर की मानवीय सहायता देगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। लेबनान और क्षेत्र में संघर्ष से प्रभावित आबादी के लिए अमेरिका ने मानवीय सहायता देने का फैसला किया है। अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए बयान के मुताबिक, अमेरिका नई मानवीय सहायता के रूप में लगभग 157 मिलियन डॉलर प्रदान करेगा। यह फंडिंग लेबनान के अंदर आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों, शरणार्थी आबादी और उनकी मेजबानी करने वाले समुदायों की मौजूदा जरूरतों को पूरा करेगी। इसके अलावा, पड़ोसी सीरिया में भागने वाले नागरिकों के लिए भी सहायता समर्थन करेगी।

पाकिस्तान – चीनी हितों की रक्षा के लिए 45 अरब रुपये स्वीकृत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार सशस्त्र बलों के लिए 45 अरब रुपये का अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराएगी। इससे नकदी की कमी से जूझ रहे देश में चीन के वाणिज्यिक हितों की रक्षा करने और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर बाड़ लगाने का प्रबंधन करने की उसकी क्षमता को मजबूत किया जा सकेगा। यानी चीनी हितों की रक्षा के लिए पाकिस्तान ने सशस्त्र बलों के लिए इस बजट को मंजूरी दी है।

जेपी मॉर्गन के सीईओ के ट्रंप को समर्थन करने का दावा झूठ निकला

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा किया था, जिसमें दावा किया गया था कि जेपी मॉर्गन के सीईओ जैमी डीमन ने राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप का समर्थन किया है। हालांकि कंपनी ने बयान जारी कर स्पष्ट कहा है कि डीमन ने किसी का पक्ष नहीं लिया है। दरअसल ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर जैमी डीमन की एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसके साथ लिखा था कि जेपी मॉर्गन के सीईओ जैमी डीमन ने राष्ट्रपति पद के लिए ट्रंप का समर्थन किया है। हालांकि बाद में जेपी मॉर्गन के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा है कि डीमन ने किसी का पक्ष नहीं लिया है। वो रिपोर्ट झूठी है। गौरतलब है कि इससे पहले अगस्त में भी ट्रंप ने ऐसे ही एक झूठे पोस्ट को रिपोस्ट कर दावा किया था कि मशहूर गायिका टेलर स्विफ्ट ने उनका समर्थन किया है। हालांकि बाद में टेलर स्विफ्ट ने साफ कहा कि उन्होंने ट्रंप का समर्थन नहीं किया है और बल्कि उन्होंने डेमोक्रेट पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस का समर्थन किया।

हैरिस के भाषणों में भी जिक्र नहीं, दरकिनार किए जाने से निराश हुए बाइडेन

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका में 5 नवंबर को होने वाले 2024 के राष्ट्रपति चुनावों के लिए काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। सबसे बड़ा घटनाक्रम राष्ट्रपति जो बाइडेन का बैकआउट किआ जाना है। एनबीसी न्यूज के अनुसार, बिडेन इस बात से नाराज हैं कि अमेरिकी राजनीति में दशकों बिताने के बावजूद वह अब राष्ट्रीय बातचीत का हिस्सा नहीं हैं। मामले से परिचित एनबीसी न्यूज को बताया कि बिडेन राजनीतिक चर्चा में अपनी उपस्थिति की कमी से निराश हो गए हैं। अमेरिकी डिबेट में अब कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रम्प की ही बात होती है। बाइडेन विशेष रूप से इस बात से नाराज हैं कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस जिनका नाम खुद उन्होंने आगे बढ़ाया था। लेकिन हैरिस अपने भाषणों में उनका उल्लेख नहीं कर रही हैं। खासकर जब यह अर्थव्यवस्था के बारे में है, जो बिडेन का मानना है कि अपने प्रयासों और नीतियों के कारण सही रास्ते पर हैं। बाइडेन ने जुलाई में अपने प्रतिद्वंद्वी और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ बहस में पिछड़ने के बाद छोड़ दी। अपनी हताशा के बावजूद, सूत्रों ने एनबीसी न्यूज को बताया कि बाइडेन हैरिस की जीत के लिए उत्सुक हैं। उनका मानना है कि यह विकास उनकी विरासत और देश के लिए अच्छा होगा। और वह हर संभव तरीके से मदद करने की योजना बना रहा है। एनबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में राष्ट्रपति पद का नामांकन प्राप्त करने के बाद, हैरिस ने चुनाव प्रचार के दौरान नियमित रूप से बिडेन का उल्लेख किया।

इजराइल का हमला जारी, हिजबुल्लाह के कई बड़े लड़ाकों को मारने का दावा, लेबनान-सीरिया सड़क संपर्क तोड़ा

बेरूत, एजेंसी। इजराइल की ओर से शुक्रवार को भी बेरूत के उपनगरीय हिस्सों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए गए. इस बीच इजराइली सेना ने दावा किया है कि पिछले चार दिनों के दौरान 250 हिजबुल्लाह सैनिकों को मार गिराया गया है. वहीं लेबनान-सीरिया सीमा के बीच प्रमुख सड़क संपर्क को तोड़ दिया गया है. बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में रात को हुए विस्फोटों से आसमान में धुएं और आग के बड़े-बड़े गुबार देखे गए. लेबनान की राजधानी में कई किलोमीटर दूर इमारतें हिल गई. दहियेह में लोग घर से बाहर निकल कर सड़कों पर देखे गए. बताया जा रहा है कि हवाई हमलों में कई इमारते ध्वस्त हो गई और कारें जलकर खाक हो गई. इजरायली सेना ने कहा कि उसने आधी रात के आसपास हिजबुल्लाह के केंद्रीय खुफिया मुख्यालय को निशाना बनाया. उसने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में उसने 100 हिजबुल्लाह लड़ाकों को मार गिराया है.

लेबनान में मारे गए 1400 लोग लेबनान की सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने इस क्षेत्र में लगातार 10 से अधिक से हवाई हमलों की सूचना दी है. सितंबर के अंत में इजरायल द्वारा हिजबुल्लाह को कमजोर करने और उसे देशों की साझा सीमा से दूर धकेलने के उद्देश्य से किए गए हमलों के बाद से हिजबुल्लाह के लड़ाकों और नागरिकों सहित लगभग 1,400 लेबनानी मारे गए हैं. इस बीच लगभग 12 लाख लोगों को उनके घरों से निकलने पर मजबूर कर दिया गया.

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर दागे 100 रॉकेट : इजराइली सेना ने कहा कि हिजबुल्लाह ने शुक्रवार को इजराइल में लगभग 100 रॉकेट दागे. इजराइली सेना ने यह भी कहा कि एक दिन पहले बेरूत में हुए हमले में हिजबुल्लाह के संचार विभाग के प्रमुख मोहम्मद राशिद स्काफी की मौत हो गई. सेना ने एक बयान में कहा कि स्काफी एक वरिष्ठ हिजबुल्लाह लड़ाका था जो 2000 से संचार इकाई के लिए जिम्मेदार था और हिजबुल्लाह के उच्च अधिकारियों के साथ निकट रूप से जुड़ा हुआ था.

इजरायली सेना ने हवाई हमला कर लेबनान-सीरिया सीमा सड़क बंद किया लेबनान-सीरिया सीमा के बीच करीब आधा दर्जन क्रॉसिंग है और अधिकतर खुले थे. इन क्रॉसिंग के माध्यम से हिजबुल्लाह द्वारा सैन्य उपकरण ला जा रहा था. कहा जा रहा है कि हिजबुल्लाह को अपने मुख्य समर्थक ईरान से सीरिया के माध्यम से अपने अधिकांश हथियार प्राप्त हुए. इसे देखते हुए इजराइली सैनिकों ने इन क्रॉसिंगों को निशाना बनाया. वीडियो फुटेज में सड़क के दोनों ओर दो बड़े गड्ढे दिखे. लोग अपनी कारों से उतरकर अपने सामान के साथ पैदल ही सीमा पार करते देखे गए. पिछले 10 से 15 दिनों के दौरान भारी संख्या में लोग सीमा पार करके गए. इजराइल ने मंगलवार को लेबनान में जमीनी स्तर पर अपनी कार्रवाई शुरू की और इसकी सेना सीमा पर एक संकरी पट्टी में हिजबुल्लाह के लड़ाकों से भिड़ रही है. इजराइल ने उत्तरी इजराइल में हिजबुल्लाह की गोलीबारी को रोकने की कसम खाई है. आईडीएफ हमले में मारा गया हिजबुल्लाह लड़ाका अनीसी इजराइली सुरक्षा बलों ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले कर एक बड़ा लड़ाका महमूद यूसुफ अनीसी को मार गिराने का दावा किया है. अनीसी 15 साल पहले हिजबुल्लाह में शामिल हुआ था और लेबनान में हिजबुल्लाह कई अभियानों के नेताओं में से एक था. वह हथियार निर्माण के क्षेत्र में कई तकनीकी क्षमताओं का महारथी था.

दक्षिणी लेबनान में घर के अंदर मिला हथियारों का जखीरा : इजरायली सेना ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर बेरूत में एक रिहायशी परिसर में छापेमारी की. इस दौरान सैनिकों ने घर के अंदर से रॉकेट लॉन्चर गोला-बारूद, एंटी-टैंक मिसाइल और रॉकेट पाए मिलने का दावा किया. इजरायली सेना के अनुसार इमारतों और नागरिक घरों में दर्जनों हथियार छोड़े गए थे. इनका टारगेट इजरायली क्षेत्र था. हथियारों में एंटी-टैंक मिसाइल, आग्नेयास्त्र, विस्फोटक उपकरण शामिल थे. हिजबुल्लाह की संचार इकाई के कमांडर राशिद सकाफी मारा गया आईडीएफ ने दावा किया है कि बेरूत में एक हमले के दौरान हिजबुल्लाह की संचार इकाई के कमांडर मोहम्मद राशिद सकाफी मारा गया. सकाफी हिजबुल्लाह का एक बड़ा लड़ाका था. वह 2000 से संचार इकाई का कमान संभाल रहा था. सकाफी ने हिजबुल्लाह की सभी इकाइयों के बीच संचार क्षमताओं को विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किया था. इजराइली सेना ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया है कि उसने पिछले 4 दिनों में 2,000 से अधिक सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

इजरायल को ट्रंप की सलाह- पहले ईरान के परमाणु ठिकानों पर करो हमला, बाकी चिंता बाद में

वाशिंगटन, एजेंसी। रिपब्लिकन व्हाइट हाउस के उम्मीदवार और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा

कि इजरायल को जवाबी कार्रवाई करते हुए सबसे पहले ईरान के परमाणु ठिकानों को उड़ा देना चाहिए। पूर्व राष्ट्रपति ने उत्तरी कैरोलिना में एक रैली को संबोधित करते हुए इस सप्ताह राष्ट्रपति जो बाइडेन से पूछे गए एक सवाल का जिक्र किया, जिसमें इजरायल द्वारा ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाए जाने की संभावना के बारे में पूछा गया था। ट्रंप ने कहा, उन्होंने उनसे पूछा कि आप ईरान के बारे में क्या सोचते हैं? क्या आप ईरान पर हमला करेंगे? उन्होंने कहा, 'जब तक वे परमाणु हथियारों पर हमला नहीं करते। यही वह चीज है जिसे आप खत्म करना चाहते हैं, है न? आपको बता दें कि बुधवार को बाइडेन से पूछा गया कि क्या वह ईरानी परमाणु स्थलों पर हमले का समर्थन करेंगे और अमेरिकी राष्ट्रपति ने संवाददाताओं से कहा- मेरे पास इसका जवाब नहीं है। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा, मुझे लगता है कि वह गलत हैं। क्या आपको यही नहीं करना चाहिए? मेरा मतलब है कि हमारे लिए सबसे बड़ा जोखिम परमाणु हथियार है। ट्रंप ने कहा, जब उन्होंने उनसे यह सवाल पूछा, तो जवाब यह होना चाहिए था कि पहले परमाणु बम गिराओ और बाकी की चिंता बाद में करो। अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो वे ऐसा करने जा रहे हैं। लेकिन हम पता लगा लेंगे कि उनकी क्या योजना है। बुधवार को जो बाइडेन ने ईरान की परमाणु शक्ति के खिलाफ इस तरह के हमलों का विरोध किया, जो कि इजरायल की ओर लगभग 200 ईरानी मिसाइलों के दागे जाने के जवाब में था। उन्होंने कहा, हम इजरायलियों के साथ चर्चा करेंगे कि वे क्या करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी जी 7 सदस्य इस बात पर सहमत हैं कि इजरायल को जवाब देने का अधिकार है, लेकिन उन्हें आनुपातिक रूप से जवाब देना चाहिए। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार और अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ राष्ट्रपति चुनाव की लड़ाई में उलझे ट्रंप ने हाल ही में मध्य पूर्व में तनाव में वृद्धि के बारे में बहुत कम बात की है।

अमेरिका ने यमन के हूती विद्रोहियों पर हवाई हमले किए

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी की सेना ने ऐसे समय में ये हमले किए हैं जब कुछ ही दिन पहले हूती विद्रोहियों ने यमन में एक अमेरिकी सैन्य ड्रोन को मार गिराने के बाद इजराइल में 'सैन्य अभियान तेज करने' की धमकी दी थी। अमेरिकी की सेना ने यमन में हूती विद्रोहियों के एक दर्जन से अधिक ठिकानों पर शुक्रवार को हमला कर उनकी हथियार प्रणालियों, अड्डों और अन्य उपकरणों को निशाना बनाया। अमेरिकी अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि की। यमन के हूती विद्रोहियों को ईरान का समर्थन प्राप्त है। अधिकारियों के अनुसार, हूती विद्रोहियों के पांच स्थानों पर स्थित विभिन्न ठिकानों पर सैन्य विमानों और युद्धपोतों के जरिए बमबारी की गई। लेकिन बाद में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इन हमलों में ब्रिटेन शामिल नहीं था। हूती मीडिया में जारी खबरों में बताया गया कि प्रमुख बंदरगाह शहर होदेदा के हवाई अड्डे तथा हूती नियंत्रण वाले सैन्य अड्डे कथीब पर सात हमले किए गए। इसमें बताया गया कि यमन की राजधानी सना के सेयाना क्षेत्र में चार तथा धमार प्रांत में दो हमले किए गए। हूती मीडिया कार्यालय ने बताया कि सना के दक्षिण-पूर्व में बायदा प्रांत में भी तीन हवाई हमले किए गए। अमेरिकी की सेना ने ऐसे समय में ये हमले किए हैं जब कुछ ही दिन पहले हूती विद्रोहियों ने यमन में एक अमेरिकी सैन्य ड्रोन को मार गिराने के बाद इजराइल में 'सैन्य अभियान तेज करने' की धमकी दी थी।

विदेश मंत्री जयशंकर ने श्रीलंका के राष्ट्रपति से की मुलाकात

कोलंबो, एजेंसी। विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की. उन्होंने भारत की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी और सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) विजन में द्वीप राष्ट्र के विशेष स्थान की पुष्टि की. जयशंकर ने बैठक के बाद एक्स पर पोस्ट किया, आज कोलंबो में राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके से मुलाकात कर सम्मानित महसूस किया. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी.

विदेश मंत्री ने कहा, भारत-श्रीलंका संबंधों के लिए उनकी गर्मजोशी भरी भावनाओं और मार्गदर्शन की सराहना करता हूं. दोनों देशों और क्षेत्र के लोगों के लाभ के लिए चल रहे सहयोग को गहरा करने और भारत-श्रीलंका संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की. राष्ट्रपति चुनावों में अपने गठबंधन की जीत के बाद 23 सितंबर को दिसानायके ने श्रीलंका के नौवें कार्यकारी राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी. इसके बाद विदेश मंत्री जयशंकर की पहली पड़ोसी की यह देश यात्रा है. राष्ट्रपति दिसानायके ने एक्स पर पोस्ट किया, श्रीलंका की आधिकारिक यात्रा पर आए भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की. चर्चा पर्यटन, ऊर्जा और निवेश में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित रही. डॉ. जयशंकर ने श्रीलंका की आर्थिक सुधार के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की. मत्स्य पालन, सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता पर निरंतर सहयोग के महत्व पर भी चर्चा की गई. जयशंकर की दिसानायके के साथ बैठक से ठीक पहले यह घोषणा की गई कि 50 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया गया है. इन मछुआरों को पिछले महीने

अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार करने के कारण श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार किया था. कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने घोषणा की, घर वापसी! मयिलादुथुराई, पुदुकोट्टई और नागपट्टिनम के 50 भारतीय मछुआरों को आज रिहा कर दिया गया है और उन्हें इस सप्ताह के अंत में श्रीलंका से तमिलनाडु वापस भेज दिया जाएगा. अपने सबसे करीबी समुद्री पड़ोसी और मित्र के रूप में, भारत श्रीलंका को उसके सबसे खराब आर्थिक संकट से उबारने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति चुनाव जीतने पर दिसानायके को बधाई देने वाले पहले विदेशी नेताओं में शामिल थे. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनावों में आपकी जीत पर अनुरा दिसानायके को बधाई. भारत की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी और विजन सागर में श्रीलंका का विशेष स्थान है. मैं अपने लोगों और पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए हमारे बहुमुखी सहयोग को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं. प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देते हुए दिसानायके ने पोस्ट किया, पीएम मोदी, आपके समर्थन के लिए धन्यवाद. मैं हमारे देशों के बीच रिश्तों को मजबूत करने की आपकी प्रतिबद्धता को साझा करता हूं. साथ मिलकर, हम अपने लोगों और पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर सकते हैं.

बांग्लादेशी अंतरिम सरकार के मुखिया से मिला जॉर्ज सोरोस का बेटा, बोला- वह मेरे पिता के 'पुराने मित्र'

ढाका, एजेंसी। अमेरिका के अरबपति व्यापारी जॉर्ज सोरोस के बेटे एलेक्स सोरोस ने बुधवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस से मुलाकात की। बैठक के बाद सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में एलेक्स सोरोस ने यूनुस को अपने पिता का पुराना मित्र बताया। इसके साथ ही एलेक्स ने यूनुस को बांग्लादेश को समानता और निष्पक्षता पर आधारित भविष्य के लिए मार्गदर्शन देने के लिए उनकी तारीफ भी की। इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा करते हुए एलेक्स ने लिखा कि मेरे पिता और फाउंडेशन के पुराने मित्र, नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार से मिलकर खुशी हुई। वह बांग्लादेश को समानता के आधार पर शांति पूर्ण भविष्य की ओर ले जाने का काम कर रहे हैं। दरअसल, एलेक्स सोरोस के पिता जॉर्ज सोरोस की छवि एक कट्टर लेफ्ट के नेता और व्यापारी के रूप में है। उनके फाउंडेशन के ऊपर कई बार अलग-अलग देशों की सरकारों ने तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए उनके फाउंडेशन

को अपने देशों से बैन भी कर दिया है। जॉर्ज सोरोस भारत की मौजूदा सरकार के खिलाफ भी लगातार जहर उगलते रहे हैं। उनको भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धुर विरोधी माना जाता है। वह दुनिया को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश करने वाले व्यापारियों में से माने जाते हैं। सोरोस के ऊपर लगातार यह आरोप लगते हैं कि वह लोकतांत्रिक देशों के चुनावों में जमकर पैसा खर्च करते और जीतने के बाद देश को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश करते हैं। एलेक्स सोरोस की मुहम्मद यूनुस के साथ यह मुलाकात शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद हो रही है। आवामी लीग की नेता शेख हसीना डेढ़ दशक से ज्यादा समय से बांग्लादेश की सत्ता संभाले हुए थीं। जुलाई और अगस्त के महीने में हुए छात्र आंदोलन ने शेख हसीना को बांग्लादेश की सत्ता छोड़कर भागने के लिए मजबूर कर दिया। शेख हसीना के सत्ता छोड़ने के बाद सेना ने बागड़ोर अपने हाथों में ले ली लेकिन जल्दी ही छात्रों के दबाव में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन किया गया।

जापान में फटा अमेरिकी बम, मियाजाकी एयरपोर्ट को नुकसान

टोक्यो, एजेंसी। दूसरे विश्व युद्ध के समय जापान में भूमिगत रखे गए अमेरिकी बम में ब्लास्ट हो गया है. इस बात की जानकारी जापानी अधिकारियों ने दी. अधिकारियों ने बताया कि दूसरे विश्व युद्ध के समय का संयुक्त राज्य अमेरिका का एक बम, जिसे भूमिगत रखा गया था, एक जापानी हवाई अड्डे पर फट गया, जिसके कारण टैक्सीवे में एक बड़ा गड्ढा बन गया और 80 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं. भूमि और परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ. उन्होंने आगे कहा कि जापान के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में मियाजाकी हवाई अड्डे पर जब बम विस्फोट हुआ, तब उस स्थान के आस-पास कोई विमान नहीं था. 500 पाउंड के अमेरिकी बम में विस्फोट अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान सेल्फ-डिफेंस फोर्स और पुलिस ने पाया कि विस्फोट 500 पाउंड के अमेरिकी बम से हुआ था. फिलहाल अधिकारी यह पता लगा रहे हैं कि आखिर द्वितीय विश्व युद्ध के समय के बम में अचानक विस्फोट किस वजह से हुआ. 80 से अधिक फ्लाइट रद्द न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार स्थानीय जापानी टीवी फुटेज में दिखाया गया है कि हमले की वजह से टैक्सीवे पर कथित तौर पर लगभग 7 मीटर व्यास और 1 मीटर गहरा गड्ढा हो गया.जापान के चीफ कैबिनेट सेक्रेटरी योशिमासा हयाशी ने बताया कि अचानक हुए विस्फोट के कारण मियाजाकी हवाई अड्डे पर 80 से अधिक फ्लाइट रद्द कर दी गईं. विस्फोट की फुटेज रिकॉर्ड मियाजाकी हवाई अड्डे के पास स्थित

एक विमानन स्कूल ने विस्फोट की फुटेज रिकॉर्ड की, जिसमें फव्वारे की तरह हवा में डामर के टुकड़े उड़ते हुए दिखाई दिए. जापानी रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में कई ऐसे बम पाए गए हैं जो फटे नहीं थे और जिन्हें द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना ने गिराया था. पहले भी मिल चुके हैं बम बता दें कि मियाजाकी हवाई अड्डे के आस-पास बिना फटे बम मिलने की पहले भी कई घटनाएं हुई हैं. इससे पहले जनवरी 2009 में एक निर्माण स्थल पर एक बिना फटा बम मिला था, और जून और नवंबर 2011 में भी रनवे पर लगभग 50 किलोग्राम और 250 किलोग्राम वजन के दो और बम पाए गए थे, जिनके बारे में माना जाता है कि वे द्वितीय विश्व युद्ध के अवशेष हैं।

ईरानी विदेश मंत्री की नई धमकी- इजराइल ने हमला किया तो देंगे पहले से ज्यादा खतरनाक जवाब

बेरूत, एजेंसी। लेबनान की राजधानी बेरूत में तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरघाची ने शुक्रवार को इजरायल को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यदि इजरायल ने ईरान के खिलाफ कोई सैन्य कार्रवाई की, तो उसका जवाब पहले से कहीं अधिक आक्रामक और शक्तिशाली होगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब मिडिल ईस्ट में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है, और हाल के दिनों में कई हमले हुए हैं जो पूरे क्षेत्र को युद्ध की ओर धकेल सकते हैं।अब्बास अरघाची ने यह बयान लेबनान की संसद के अध्यक्ष नबी बेरी से मुलाकात के बाद दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान किसी भी इजरायली कार्रवाई का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है और इस बार ईरान का जवाब पहले की तुलना में कहीं अधिक जोरदार और प्रभावी होगा। हाल ही में इजरायल और ईरान के बीच तनाव ने एक नया मोड़ लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने इजरायल पर कम से कम 180 मिसाइलें दागी हैं, जिससे दोनों देशों के बीच हालात और भी तनावपूर्ण हो गए हैं। इसके बाद, ईरान ने अपनी सैन्य तैयारियों को और मजबूत किया है और किसी भी संभावित इजरायली हमले का माकूल जवाब देने का संकल्प व्यक्त किया है। अब्बास अरघाची की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब लेबनान खुद भी इजरायल के साथ तनावपूर्ण संबंधों का सामना कर रहा है। हिज़बुल्लाह के साथ इजरायल की झड़पों के बीच लेबनान एक अहम कड़ी बनता जा रहा है। ईरान का समर्थन हिज़बुल्लाह को भी मिलता रहा है, जो इस क्षेत्र

में एक प्रमुख सैन्य ताकत है। इसलिए, अरघाची की यह यात्रा क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। पिछले कुछ दिनों में पश्चिम एशिया में एक के बाद एक घटनाएं हो रही हैं। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के चलते पूरा क्षेत्र युद्ध के कगार पर खड़ा है। ईरान ने यह साफ कर दिया है कि वह किसी भी इजरायली कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं करेगा, और इसका जवाब पहले से कहीं अधिक गंभीर और व्यापक स्तर पर दिया जाएगा।ईरान के विदेश मंत्री का यह बयान निश्चित रूप से क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा रहा है। अब यह देखना होगा कि इजरायल इस चेतावनी के बाद किस प्रकार की प्रतिक्रिया देता है, और क्या इस संघर्ष को टाला जा सकता है या यह और भड़क सकता है।

राजनीति से मुक्त हों विज्ञान पुरस्कार

दिनेश सी. शर्मा

वैज्ञानिकों ने 24 सितंबर को पीएसए को लिखे पत्र में कहा : 'सरकार ने चयन मानदंडों में किया गया बदलाव अपने पोर्टल पर दर्शाया है और पुरस्कार समारोह से महज चंद दिन पहले अपलोड किए गए नए प्रारूप में एक नई लाइन जोड़ी गई है कि अब आपकी अध्यक्षता वाली चयन समिति अपनी सिफारिशें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री को सौंपेगी'। चयन प्रक्रिया में किया गया यह बदलाव राजनेताओं द्वारा चयन समिति का निर्णय खारिज करने या बदलने का मार्ग प्रशस्त करता है -जबकि यह समिति व्यावहारिक रूप से भारतीय वैज्ञानिक समुदाय का प्रतिनिधित्व करती है।

एक साहसिक और विरला कदम उठाते हुए, 175 वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों ने देश में विज्ञान के क्षेत्र में दिए जाने वाले सम्मान - राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार - के राजनीतिकरण पर निराशा व्यक्त की है। इस पुरस्कार की स्थापना पिछले साल केंद्र सरकार ने की थी। कुछ सप्ताह पहले, प्रथम पारितोषिक समारोह में राष्ट्रपति द्वारा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाने के तुरंत बाद चयन प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप की सुगबुगाहट शुरू हो गई थी। हुआ यह कि चयन समिति द्वारा भेजे गए तीन वैज्ञानिकों के नाम पुरस्कार विजेताओं की अंतिम सूची से गायब थे। जबकि समिति के कुछ सदस्यों ने अनौपचारिक रूप से उन्हें यह खबर बता दी थी। लेकिन बाद में उनको करारा झटका लगा। आशंका जताई गई कि उक्त विचाराधीन वैज्ञानिकों को उनके राजनीतिक विचारों और महत्वपूर्ण मुद्दों पर उनके रुख के कारण राष्ट्रीय सम्मान से वंचित किया गया। एतराज का पहला संकेत शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार प्राप्त 26 विजेताओं ने जताया था, जब उन्होंने प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) और राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार समिति के प्रमुख अजय सूद को पत्र लिखकर जानना चाहा कि क्या पैनल की सिफारिशें ज्यों की त्यों स्वीकार की गईं या फिर सरकार ने संशोधन किया है और उन्होंने पीएसए से अंतिम निर्णय पर पहुंचने में अपनाए गए मानदंडों का खुलासा करने का अनुरोध किया। यह मामला सार्वजनिक होने के बाद, सरकार ने चयन प्रक्रिया में ही बदलाव कर दिया, जिसके चलते 175 वैज्ञानिकों ने विरोध पत्र जारी किया। वैज्ञानिकों ने 24 सितंबर को पीएसए को लिखे पत्र में कहा : 'सरकार ने चयन मानदंडों में किया गया बदलाव अपने पोर्टल पर दर्शाया है और पुरस्कार समारोह से महज चंद दिन पहले अपलोड किए गए नए प्रारूप में एक नई लाइन जोड़ी गई है कि अब आपकी अध्यक्षता वाली चयन समिति अपनी सिफारिशें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री को सौंपेगी'। चयन प्रक्रिया में किया गया यह बदलाव राजनेताओं द्वारा चयन समिति का निर्णय खारिज करने या बदलने का मार्ग प्रशस्त करता है -जबकि यह समिति व्यावहारिक रूप से भारतीय वैज्ञानिक समुदाय का प्रतिनिधित्व करती है। समिति में वैज्ञानिक अकादमियों के अध्यक्षों के अलावा वैज्ञानिक विभागों के सचिव भी सदस्य हैं। वैज्ञानिक समुदाय को इसका आभास पहले ही हो गया था। सर्वप्रथम तो गृह मंत्रालय द्वारा समूचे वैज्ञानिक विभागों की बागडोर अपने हाथ में लेना और दर्जनों पुरस्कारों को समाप्त करना बेतुका था, जिसमें 1950 के दशक में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा स्थापित प्रतिष्ठित शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार और अन्य स्वायत्त विज्ञान अकादमियों द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कार शामिल थे। श्रेष्ठ वैज्ञानिक कार्य को मान्यता देने को स्थापित किए गए पुरस्कारों और निष्पक्ष तरीकों को समाप्त करना तथा उनकी जगह एक नया सरकारी पुरस्कार शुरू करना, जिसमें कोई नकद राशि नहीं है, एक कठोर झटका है। तिस पर, नई पुरस्कार प्रक्रिया विश्वसनीयता के संकट का सामना कर रही है। अंतिम निर्णय एक राजनीतिक पदाधिकारी पर छोड़ने का मतलब है कि पुरस्कार विजेताओं के चयन में गैर-शैक्षणिक विचारों की भूमिका रहेगी। पुरस्कारों से इतर, यह प्रसंग भारत में अकादमिक स्वतंत्रता और विज्ञान क्षेत्र के परिचालन के बारे में अहम सवाल उठाता है। प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने पत्र लिखकर पुरस्कार प्रकरण को 'भारतीय विज्ञान के लिए एक अस्वस्थ घटना' ठहराकर सही किया है। वैज्ञानिकों को चिंता है कि यह होने पर मंत्रियों द्वारा 'अबाध वीटो' का उपयोग करते हुए विशेषज्ञ समितियों की सिफारिशों को दरकिनार करने वाला चलन कायम हो जाएगा। पत्र में यह आशंका भी जताई गई है कि सरकार को न सुहाने वाले शिक्षाविदों को न केवल पुरस्कारों से बल्कि वैज्ञानिक अनुदान, भर्ती, पदोन्नति आदि से भी महरूम रखा जा सकता है। यह वैज्ञानिक कार्य पद्धति के बुनियादी सिद्धांतों के विरुद्ध है और वैज्ञानिक अनुसंधान के विकास के लिए अच्छा संकेत नहीं है। सामान्यत: अपेक्षा की जाती है कि विज्ञान की किसी शाखा विशेष में एक वैज्ञानिक द्वारा प्राप्त विशिष्ट उपलब्धि को मान्यता देने में निष्पक्षता बनी रहेगी। आमतौर पर यह काम समकक्षों द्वारा की गई समीक्षा के माध्यम से किया जाता है। शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार- जिसे अब बंद किया जा चुका है - वह सर्वोच्च सम्मान था जोकि भारतीय विज्ञान जगत की विविध धाराओं में सबसे बढ़िया कर दिखाने वाले को पारितोषिक मान्यता प्रदान करता था। पुरस्कार विजेताओं की इस सूची का मतलब है- पिछले कई दशकों में भारत के चोटी के साईंसदान। जिन्हें यह पुरस्कार मिला, उन्होंने आगे चलकर अपने-अपने संस्थान का नेतृत्व किया, नए संस्थान स्थापित किए, फंड देने वाली एजेंसियों और विज्ञान विभागों की अगुवाई भी की। यदि अपनी स्थापना के पहले ही साल में राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार की चयन प्रक्रिया पर इस प्रकार सवाल खड़े हो गये तो क्या यह लंबे तक कायम रही भटनागर पुरस्कार की विरासत को आगे बढ़ा पाएगा। यह प्रकरण पिछले कुछ वर्षों में पीएसए की भूमिका में निरंतर क्षरण को भी उजागर करता है। भले ही इस पद का सृजन 1999 में हुआ हो, लेकिन आजादी के बाद से ही भारत में विज्ञान संबंधी नीतियों पर परामर्श देने के लिए एक तंत्र रहा है, जिसकी शुरुआत 1950 के दशक में वैज्ञानिक कार्यों के समन्वय के लिए राष्ट्रीय समिति बनाने से हुई थी। आगे चलकर, सरकार, मंत्रिमंडल और प्रधान मंत्री के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समितियां बनीं। इस परामर्श तंत्र के परिणामस्वरूप वैज्ञानिक विभागों की स्थापना और पुनर्गठन, नए विज्ञान मंत्रालयों का निर्माण, अनुसंधान संस्थान और शैक्षणिक निकायों के साथ-साथ कई राष्ट्रीय नीतियों और कार्यक्रमों का विकास हुआ। एक स्वतंत्र विज्ञान परामर्श प्रणाली ने विज्ञान और नीति के बीच समन्वय और नए विचारों के समाशोधन गृह के रूप में कार्य किया है। पीएसए की भूमिका में विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित नीतिगत मामलों के साथ-साथ सामान्य रूप से विज्ञान-आधारित नीति समाधानों पर सलाह देना शामिल है। दोनों ही मामलों में, नीति निर्माण में विज्ञान समुदाय का मार्गदर्शन साथ रखना चाहिए। नीति निर्माताओं का काम विज्ञान अनुदान और पुरस्कार से संबंधित मामलों को देखना नहीं है। यह पीएसए पर निर्भर है कि वह किस हद तक यह संतुलन साध सकता है। लेकिन, हाल के वर्षों में,पीएसए के कामकाज की भूमिका को वैज्ञानिक विभागों के बीच समन्वय बनाने तक सीमित कर दिया गया है और किसी अन्य सरकारी एजेंसी की भांति काम सौंपा गया है। मसलन, हवाई अड्डों पर विविध डैशबोर्ड तैयार करना या प्रचार कियोस्क की व्यवस्था करना क्या पीएसए का काम है? उसे प्रौद्योगिकी और तकनीकी उत्पादों की क्रय-निविदाओं की जांच करने जैसे प्रशासनिक कार्य भी सौंप रखे हैं, यह 1960 और 1970 के दशक के 'लाइसेंस राज' की याद दिलाता है, जब इसके चरम पर प्रौद्योगिकी विकास के महानिदेशक का काम कुछ ऐसा ही था। पीएसए पर जो एक अन्य जिम्मेदारी लाद रखी है वह है सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों की डिजिटल सूची बनाना और ऐसी प्रौद्योगिकियों के लिए एक ई-मार्केट प्लेस बनाना ताकि सरकारी संगठन और निजी क्षेत्र को उनकी खरीद की सहूलियत हो। इस किस्म के रूटीन के काम अन्य एजेंसियों और विभागों द्वारा भी बखूबी संभाले जा सकते हैं। पीएसए कार्यालय को ऐसे कार्य सौंपने से सरकार को विज्ञान पर स्वतंत्र और स्वायत्त सलाह प्रदान करने के उसके प्राथमिक कार्य का क्षरण होता है।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के स्तंभकार हैं।

संपादकीय

बेअसर फटकार

एक बार फिर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण रोकने के लिये प्रभावी कदम न उठाने पर पंजाब व हरियाणा सरकार को फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि सरकारों ने पराली जलाने के दोषियों से नाममात्र का ही जुर्माना वसूला, जिसके चलते इसे जलाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। फलत- दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में निरंतर प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। साथ ही कोर्ट ने केंद्र सरकार के अधीन काम करने वाले वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को भी खरी-खोटी सुनायी है कि उसने पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिये उसके निर्देशों को लागू करने का ईमानदार प्रयास नहीं किया। दो सदस्यीय पीठ ने सख्त नाराजगी जतायी कि गत 29 अगस्त को दिल्ली में वायु प्रदूषण पर चर्चा के लिये बुलाई आयोग की बैठक में ग्यारह में से सिर्फ पांच सदस्य ही शामिल हुए। पराली जलाने की घटनाओं पर शिथिलता बरतने पर कोर्ट ने केंद्र सरकार व वायु गुणवत्ता आयोग को एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दायर करने को कहा है। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के लिये आगामी 16 अक्तूबर की तारीख तय की है। यह विडंबना ही है कि प्रदूषण के मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तो लगातार होती रही है लेकिन पराली व प्रदूषण बढ़ाने वाले अन्य कारकों पर रोक लगाने के लिये कोई ईमानदार प्रयास होते नजर नहीं आते। अदालत ने गत वर्ष भी कहा था कि पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिये सतत निगरानी की जानी चाहिए। इसके विपरीत दिल्ली सरकार, हरियाणा व पंजाब में पराली का मुद्दा राजनीति के रंग में रंगता रहा है। यही वजह है कि बीते साल की तरह ही इसी मौसम में फिर से प्रदूषण की समस्या विकट होती जा रही है। फिर ठंड का मौसम आते ही भौगोलिक कारणों से प्रदूषण विकराल रूप लेने लगता है। दिवाली पर तो पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है। निस्संदेह, यह तंत्र की काहिली का ही नतीजा है, जिसके चलते दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी का दर्जा हासिल कर लेती है। दरअसल, प्रदूषण के एक घटक पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि की वजह भी वोटों की राजनीति ही है। सरकारें पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती रही हैं। उन्हें अपने वोट बैंक के खिसकने की चिंता सताती रहती है। हाल ही में वायु गुणवत्ता आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि गत पंद्रह से पच्चीस सितंबर के मध्य पंजाब में पिछले साल इन दिनों के मुकाबले में दस गुना अधिक पराली जलाने की घटनाएं हुई हैं। वहीं बीते वर्ष इसी अवधि के मुकाबले इस वर्ष हरियाणा में पांच गुना अधिक पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गई। सवाल यह है कि हर साल सितंबर से नवंबर के बीच बढ़ने वाली पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश क्यों नहीं लगाया जा रहा है? बावजूद इसके कि शीर्ष अदालत बार-बार सख्त निगरानी की बात कहती रहती है। लेकिन सरकारों के तमाम दावों के बावजूद किसानों को ऐसा कारगर विकल्प नहीं दिया जा सका है कि किसान को खेत में पराली जलाने की जरूरत न पड़े। दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकारें भी तभी जागती हैं जब राजधानी व उसके आसपास के इलाकों में प्रदूषण के कारण जीवन पर संकट उत्पन्न होने लगता है। यहां तक कि अदालत के आदेश भी क्रियान्वयन की बाट जोहते रह जाते हैं। जबकि आंकड़े बता रहे हैं कि हर साल देश में लाखों लोग वायु प्रदूषण के कारण मौत के मुंह में चले जाते हैं या फिर उनके जीवन की प्रत्याशा में कई सालों की कमी हो जाती है। लेकिन इसके बावजूद दिल्ली व अन्य राज्यों की सरकारें जन स्वास्थ्य के लिये उपजे बड़े संकट के प्रति संवेदनशील रवैया नहीं अपनाती हैं। वैसे राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण में पराली के अलावा तमाम अन्य कारक भी हैं। सड़कों पर उतरती पेट्रोल-डीजल वाहनों की सुनामी, सार्वजनिक यातायात की कमी व उद्योग व निर्माण कार्यों में लापरवाही भी प्रदूषण की बड़ी वजह है।

योग द्वारा हृदय रोग से मुक्ति

(लेखक- उमेश कुमार सिंह)

मेडिकल सांइस की दुनिया में डॉ. बिमल छाजेड़, एम.बी.बी.एस., एम. डी. एक जाने-पहचाने व्यक्ति हैं। ये भारत में नॉन इन्वेसिव कॉर्डियोलॉजी के जन्मदाता हैं। डॉक्टर छाजेड़ ने विख्यात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान **(AIIMS)** में छह वर्ष तक सीनियर रेसीडेण्ट और सहायक प्रोफेसर के पद पर काम कर चुके हैं। वर्ष 1995 में इन्होंने **AIIMS** छोड़ दिया और अपनी रिसर्च के आधार पर साओल की स्थापना की। साओल का मतलब है- विज्ञान तथा जीवन जीने की कला (साइंस एण्ड आर्ट ऑफ लीविंग) जो आधुनिक मेडिकल साइंस और जीवन जीने की कला को जोड़ता है। इनका हृदय रोग के रिवर्सल के लिए चलाया गया त्रिदिवसीय कार्यक्रम बहुत प्रसिद्ध हुआ। यह कार्यक्रम भारत के लगभग सभी मुख्य शहरों में शुरू किया गया है। हृदय की देखभाल के लिए इन्होंने जो साओल हृदय कार्यक्रम चलाया है वह भारत में हृदय की देखभाल का सबसे लोकप्रिय तरीका है जिसमें चीर-फाड़ की कोई आवश्यकता नहीं पड़ती। डॉ. छाजेड़ ने सौ से ज्यादा किताबें लिखी हैं, जिनकी गिनती सर्वाधिक बिकने वाली किताबों में होती है। इनकी किताबों का भारत की लगभग सभी क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है। इन्होंने जीरो ऑयल कुकिंग के माध्यम से भोजन बनाने का नया तरीका भी बताया, जो पूरे भारत में बहुत प्रसिद्ध हुआ । इन्होंने हृदय रोगियों के लिए बिना तेल के 1000 व्यंजन तैयार किए हैं तथा भारत में सौ से ज्यादा शहरों में तथा विदेशों में भी व्याख्यान दिए हैं। इनकी तनाव प्रबंधन की कक्षाओं और तकनीकों ने हजारों लोगों की जिंदगी बदल दी है। इस क्षेत्र में अपनी इन उपलब्धियों के लिए इन्हें कई बार सम्मानित भी किया जा चुका है। लोग इन्हें नॉन-इनवेसिव डॉक्टर, हार्ट केयर और लाइफ स्टाइल एक्सपर्ट पुकारते हैं। यह खुद को उन डॉक्टरों (कॉर्डियोलॉजिस्ट्स और हार्ट सर्जन्स) से पूरी तरह अलग मानते हैं जो हृदय संबंधी अस्पतालों में हृदय रोगियों का उपचार करते हैं। इनकी संस्था साओल यानी (साइंस एंड आर्ट ऑफ लिविंग) हृदय रोगियों की जीवनशैली में बदलाव करके बाईपास, एंजियोप्लास्टी किए बिना उनका उपचार करती है। हृदय रोगियों को हृदय सुरक्षा संबंधी चिकित्सकीय पहलुओं के साथ-साथ पारंपरिक दवाइयों, खानपान में बदलावों और योग के बारे में भी बताया जाता है। डायमंड बुक्स द्वारा 'योग द्वारा हृदय रोग से मुक्ति' पुस्तक प्रकाशित की गयी है जिसके लेखक डॉ. बिमल छाजेड़ हैं। हृदय रोगियों को इस नई प्रकार की परिवर्तित चिकित्सा पद्धति (रिवर्सल थैरेपी) योग वस्तुत: जीवनशैली और जीवन को जीने का मार्ग बताया है, जिसमें आसन, प्राणायाम और ध्यान का समावेश होता है। यह एक विशाल विषय है और इस पर अनेक पुस्तकों की रचना की जा सकती है। चूंकि अलग-अलग लोग योग के ग्रंथों की अपने-अपने तरीके से व्याख्या करते हैं इसलिए इसके विभिन्न संस्करण होना स्वाभाविक है। यह 5,000 वर्ष पुरानी साधना और विषय है। जो प्रागैतिहासिक काल में यकीन करते हैं, उनका कहना है कि योग अनादिकाल (लगभग 15,000 वर्षों) से चला आ रहा है। योग के हर अंश के कई रूप हैं किंतु इसका एक अभिन्न अंग है जिसमें यम और नियम के दर्शन का समावेश है जो योग में क्या करें और क्या न करें, का बोध कराता है। यह जीवन को किस प्रकार जीना चाहिए संबंधी निर्देश देता है। योग का दर्शन अत्यंत वृहद है जिसमें राजयोग, भक्तियोग, कर्मयोग आदि शामिल हैं।

'योग द्वारा हृदय रोग से मुक्ति' में इसी बात को सुस्पष्ट तरीके से बताने जा रहा है। यौगिक आसनों को हृदय रोगियों के लिए प्राय: सबसे लाभकारी और श्रेष्ठ व्यायाम माना जाता है। पिछले 20 वर्षों से हृदय रोगियों के साथ कार्य करने के दौरान हमने कई आसनों का प्रयोग किया और अंतत: 20 मिनट के योग आधारित व्यायाम और आसनों से ही हृदय के खतरों को शून्य कर दिया। जहां तक प्राणायाम की बात है तो हृदय रोगियों को कपालभाति और भास्त्रिका जैसे कठिन प्राणायाम करने की मनाही है क्योंकि उनके लिए ये खतरनाक साबित हो सकते हैं। बाबा रामदेव जी की कृपा से आजकल ये दोनों प्राणायाम बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। यद्यपि आम लोगों के लिए ये सही हैं किंतु ऐसे हृदय रोगियों को ये नहीं करने चाहिए जिन्हें हार्ट अटैक का खतरा हो। ऐसे रोगियों के लिए अनुलोम-विलोम प्राणायाम (नाक के दोनों नथुनों से बारी-बारी से सांस लेना) करना बेहतर प्राणायाम है। हृदय रोगियों के लिए योग का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भाग जीवनशैली में बदलाव लाने संबंधी परामर्श और ध्यान (मेडिटेशन) लगाना है। ये हमारे जीवन को बदलते हैं, हमारी इच्छाशक्ति को बढ़ाते हैं, हमें शांति प्रदान करते हैं, तनाव को कम करते हैं, हमारे भावनात्मक चिड़चिड़ेपन को कम करते हैं और (साइको न्यूरो इम्युनोलॉजी - पीएनआई) के द्वारा कार्य करके रुकावट कम करने में सहायता करते हैं। कई प्रकार की ध्यान संबंधी विधियों का अध्ययन करने के उपरांत मैंने हृदय रोग को स्वस्थ हृदय में बदलने (रिवर्सल ऑफ हार्ट डिज़ीज़) अर्थात उसके निवारण हेतु प्रशिक्षण आधारित योग में प्रेक्षा- ध्यान पद्धति (प्रेक्षा मेडिटेशन सिस्टम) को सर्वश्रेष्ठ योग पाया। लेकिन यह याद रखना चाहिए कि योग आम आदमी के लिए सेहत को सुधारने, खुशी और आंतरिक शांति प्राप्त करने का साधन है, लेकिन हृदय रोगियों के लाभार्थ मैंने इस पद्धति में कई बदलाव और सुधार किए। साओल कार्यक्रम के अंतर्गत जीरो ऑयल कुकिंग, गिरीदार वसायुक्त खाद्य पदार्थों से परहेज, तनाव विश्लेषण और प्रबंधन आदि अन्य तत्व शामिल किए। साओल के अंतर्गत चिकित्सा ज्ञान, सरल चिकित्सा शिक्षण, मेडिकल टेस्ट, दवाइयों, ईसीपी, बीसीए, आयुर्वेद और होम्योपैथी का भी समावेश किया। साओल का तात्पर्य है - साइंस एंड आर्ट ऑफ लिविंग। मेडिकल साइंस और आर्ट ऑफ लिविंग को एक साथ मिलाया। मेडिकल साइंस यानी चिकित्सा विज्ञान में से हमने बाईपास सर्जरी और एंजियोप्लास्टी के प्रचलित उपचारों को शामिल नहीं किया क्योंकि ये प्रकृति के विरुद्ध हैं।

ये शरीर को अधिक नुकसान पहुंचाते हैं जिसमें स्वयं ही हृदय रोग को दूर और उसका उपचार करने की शक्ति है। विदित हो कि हृदय रोग कोई अकस्मात् होने वाला रोग नहीं है और हम हृदय रोग होने के सही कारणों को भी भलीभांति जानते हैं तो क्यों न हम इन्हीं कारणों को दूर करने का भरसक प्रयास करें और हृदय को शक्तिशाली बनाकर हृदय रोग के खतरे को दूर करें। साओल में हम यही कर रहे हैं। इसलिए यह पुस्तक उन लोगों के लिए बहुत अच्छी मार्गदर्शक निर्देशिका साबित होगी जो योगिक तकनीक के साथ-साथ साओल पद्धति का पालन करना चाहते हैं।

(चिंतन-मनन)

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति ?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो विभक्त कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ मैं कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत् आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है। सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रमण को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है। कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लोच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है। मायावी व्यक्ति कभी सदाचारी नहीं हो सकता। करुणा सदाचार का मूल है। जिस व्यक्ति के अंतत्करण में करुणा नहीं होती, वह अहिंसा के सिद्धांत को समझ नहीं सकता। अहिंसा के बिना समता का विकास नहीं होता।

विचार मंथन

शाकाहार महंगा और मांसाहार सस्ता

(लेखक - सनत जैन)

देश में महंगाई किसी कीमत पर रुकने का नाम नहीं ले रही है। यह लगातार तेज रफ्तार में बढ़ती ही जा रही है। इस महंगाई का सबसे ज्यादा असर गरीबों और शाकाहारी मध्यम वर्ग पर देखने को मिल रहा है। हालात यह हैं कि निम्न वर्ग कुपोषण का शिकार होता चला जा रहा है वही मध्यम वर्ग को अब पोषण आहार नहीं मिल पा रहा है। दूध, सब्जी, दाल, तेल और अन्य दैनिक उपयोग में आने वाली शाकाहारी खाद्य सामग्री दिनों-दिन महंगी होती जा रही है। एक तरफ महंगाई सातवें आसमान पर पहुंचने को तैयार है लेकिन जनता चुप है। इसे देख ऐसा प्रतीत होता है कि आमजन किसी जादूई छड़ी के इंतजार में है, जिसके मिलते ही महंगाई गायब हो जाएगी। सरकारें भी इस पर कुछ कहने को तैयार नहीं हैं। हद है कि बिजली के दाम बढ़ गए। दूध के दाम बढ़ गए। स्कूलों की फीस बढ़ गई। खाद्य पदार्थों के निरंतर दाम बढ़ ही रहे हैं। यह तो सभी मानते हैं कि एक बार जो दाम बढ़ गए फिर वह कभी नीचे नहीं आते हैं। साल 2014 में जब कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार में 104 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया था तब देश में पेट्रोल 70 रूपये प्रति लीटर मिल रहा था। 450 रुपए की रसोई गैस सिलेंडर मिल रहे थे। तब सभी लोगों को महंगाई बढ़ी हुई लग रही थी। देशभर में महंगाई के खिलाफ आंदोलन हो रहे थे। आज जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का दाम 70 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, तब भी 100 से 110 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल बिक रहा है। आमजन के मन में तो सवाल यही है कि आखिर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जब तेल के दाम घट गए तो फिर देश में क्यों नहीं घट रहे हैं? वर्तमान में भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम साल 2014 जैसे ही हो जाते तो गनीमत थी, लेकिन इस पर कोई कुछ कहता नजर नहीं आ रहा है। इसके विपरीत गरीब, मजदूर, मध्यम वर्ग से लेकर अमीर सभी को पेट्रोल-डीजल एक ही बढ़े हुए रेट में ही खरीदना पड़ रहा है। यही नहीं जो दूध 35 रूपये प्रति लीटर मिल रहा था, वह 65 और 70 रूपये के आस-पास पहुंच गया है। खाने का तेल 200 रूपये लीटर के आसपास हो गया है कोई भी सब्जी 50-60 रुपए प्रति किलो से कम नहीं मिलती है। दालों के रेट बेतहाशा बढ गए हैं, जिसके कारण अब दो टाइम का खाना भी निम्न और मध्यम वर्ग को जुटा पाना मुश्किल हो रहा है। हाल ही में जो सर्वे सामने आया है उसमें बताया गया है कि भारत में शाकाहार की थाली मांसाहार से महंगी हो गई है। सारी दुनिया में सबसे ज्यादा कीमत पर मांसाहार ही बिकता है, लेकिन भारत में यह उलटी गंगा बहाने जैसी स्थिति हो गई है। वह भी तब जबकि कथित तौर पर भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए बड़े-बड़े समाजिक व धार्मिक संगठन काम कर रहे हैं। सरकार भी उन्हें कथित सहयोग कर रही है। इसके बाद भी खाद्य पदार्थ विशेष रूप से शाकाहारी खाद्य पदार्थ दिनों दिन बड़ी तेजी के साथ महंगे होते चले जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर 2024 में भारत में शाकाहारी थाली की कीमत सालाना आधार पर 11फीसदी बढ़कर 31.3 रुपए हो गई है, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह कीमत 28.1 रुपए थी। वहीं, मांसाहारी थाली की कीमत में सालाना आधार पर 2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर 2024 में मांसाहारी थाली की कीमत घटकर 59.3 रुपए हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 60.7 रुपए थी। सरकार के सामने जब तक आम जनता अपनी लड़ाई स्वयं नहीं लड़ेगी तब तक उसे महंगाई और अराजकता से निजात नहीं मिलने वाली है। केंद्र एवं राज्यों में जो सत्ता पर बैठे हुए राजनेता हैं उनका मानना है कि बच्चा जब रोता है तभी मां दूध पिलाती है। आम जनता को यदि कोई तकलीफ होगी तो वह सड़कों पर उतरकर सामने आएगी। वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों के समक्ष महंगाई और बेरोजगारी कोई मुद्दा नहीं है। सरकार आए दिन टैक्स और अन्य शुल्क बढ़ा रही है। जनता उसको चुप-चाप चुका रही है। इसका मतलब है कि जनता स्वयं चाहती है कि उसका स्टेटस सिंबल बढ़े, यदि वह महंगे खाद्य पदार्थ खाता है तो उसका स्टेटस भी बढ़ता है। सरकार ने आम जनता के स्टेटस को बढ़ाने के लिए यह सारे प्रयास किए हैं।

नवरात्र में इन नियमों का पालन करना बहुत जरूरी

शास्त्रों और पुराणों के अनुसार शारदीय नवरात्र अधिक महत्वपूर्ण है। प्राचीन काल में नवसंवत्सर से आरंभ होने वाला नवरात्र ही अधिक प्रचलित था। लेकिन कलियुग में शारदीय नवरात्र का महत्व बढ़ गया है। शास्त्रों में नवरात्र को आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने का समय माना गया है। इसलिए नवरात्र के कई नियम हैं जिनका पालन व्रत करने वालों और जो व्रत नहीं करते हैं उन्हें भी करना चाहिए।

शुद्धता और पवित्रता जरुरी

नवरात्र शुद्धता से जुडा पर्व है, जिसमें नौ दिनों तक पूर्ण पवित्रता और सात्विकता बनाए रखते हुए देवी के नौ स्वरूपों की आराधना करने का विधान है। इसलिए नवरात्र के दिनों बहुत से श्रद्धालु कपडे धोने, शेविंग करने, बाल कटाने और पलंग या खाट पर सोने से बचते हैं।

विष्णु पुराण के अनुसार

नवरात्र में व्रत के समय बार-बार पानी पीने, दिन में सोने, तम्बाकू चबाने और स्त्री के साथ संबंध बनाने से भी व्रत खंडित हो जाता है। यानी नवरात्र में पति-पत्नी को साथ सोने से भी बचना चाहिए।

नहीं होता विवाह

नवरात्र के दिनों में विवाह का आयोजन भी नहीं होता है। इसका प्रमुख कारण यह है कि विवाह का उद्देश्य वंश वृद्धि यानी संतान की उत्पत्ति है। जबकि नवरात्र के दिनों में काम और स्त्री प्रसंग से दूर रहने का नियम है। यह भक्ति और आस्था में डूबने का समय होता है। विवाह संस्कार होने से मां की आराधना से व्यक्ति वंचित हो सकता है।

रात्रि में पूजा

शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि नवरात्र के दिनों में रात्रि के समय देवी की पूजा अधिक फलदायी होती है क्योंकि देवी रात्रि स्वरुप हैं और भगवान शिव दिन के स्वरूप। इसलिए नवरात्र के दिनों में मन को एकाग्र करके देवी में ही लगाना चाहिए न कि अन्य चीजों में।

ब्रह्मचर्य का पालन

नवरात्रों में लोग अनेक नियमों का भी पालन करते हैं। ऐसा ही एक नियम है नवरात्रों के दौरान खुद को शारीरिक संबंध बनाने से दूर रखना है। जिस बिस्तर पर पति-पत्नी शारीरिक सम्बन्ध बनाते हैं उसी को छूकर देवी का आह्वान करना अशुद्ध माना जाता है। आप अशुद्ध मन से देवी मां की पूजा कर नहीं सकते इसलिए कम से कम उन नौ दिनों तक खुद पर नियंत्रण रखिए जिस दौरान स्वयं देवी मां हमारे घर पधारती हैं।

क्यों जलाते हैं नवरात्र में अखंड ज्योत

शक्ति की उपासना का पर्व नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। सर्वप्रथम श्रीरामचंद्रजी ने इस शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ समुद्र तट पर किया था और उसके बाद दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान किया और विजय प्राप्त की। तब से असत्य, अधर्म पर सत्य, धर्म की जीत का पर्व दशहरा मनाया जाने लगा। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमश : अलग-अलग पूजा की जाती है। नवरात्र के नौ दिन माता के सामने अखंड ज्योत जलाई जाती है। यह अखंड ज्योत माता के प्रति आपकी अखंड आस्था का प्रतीक मानी जाती है। क्या आपको पता है कि यह अखंड ज्योत क्यों जलाई जाती है। ज्योतिषविदों की माने तो यह अखंड ज्योत इसलिए भी जलाई जाती है कि जिस प्रकार विपरीत परिस्थितियों में भी छोटा का दीपक अपनी लौ से अंधेरे को दूर भगाता रहता है उसी प्रकार हम भी माता की आस्था का सहारा लेकर अपने जीवन के अंधकार को दूर कर सकते हैं। मान्यता के अनुसार दीपक या अग्नि के समक्ष किए गए जप का साधक को हजार गुना फल प्राप्त हो है। कहा जाता है कि घी युक्त ज्योति देवी के दाहिनी ओर तथा तेल युक्त ज्योति देवी के बाईं ओर रखनी चाहिए। अखंड ज्योत पूरे नौ दिनों तक अखंड रहनी चाहिए यानी जलती रहनी चाहिए।

इन मंत्रों से मां दुर्गा को करें प्रसन्न

यूं तो सच्चे मन से की गई प्रार्थना से मां भक्तों के मन की कामना को पूर्ण करती हैं लेकिन कुछ मंत्र हैं जो हमें सौभाग्य और आरोग्य दिलवाने में मददगार हैं।

सर्वकल्याण के लिए

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके।
शरण्येत्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते।

आरोग्य व सौभाग्य प्राप्ति के लिए

देहि सौभाग्यं आरोग्यं
देहि में परमं सुखम।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषोजहि।।

दरिद्रता नाश के लिए

दुर्गेस्मृता हरसि भतिमशेशजन्तो :
स्वस्थै : स्मृता मतिमतीव शुभां ददासि।
दरिद्रयदुखभयहारिणी कात्वदन्या
सर्वोपकारकरणाय सदार्द्रचित्ता।।

शत्रुनाश के लिए

ऊं ह्रीं बगलामुखी सर्वदुष्टानां वाचं
मुखं पदं स्तंभव जिह्वाम कीलय
बुद्धिमविनाशाय
ह्रीं ऊं स्वाहा।।

विपत्तिनाशक मंत्र

शरणागतर्दिनार्त परित्राण पारायणे।
सर्वस्यार्तिं हरे देवि नारायणि
नमोस्तुते।।

इस नवरात्रि में लक्ष्मी को करें प्रसन्न

पूरे देश में नवरात्रि का उत्साह महसूस किया जा सकता है। मां के भक्त देवी के अलग-अलग रूपों की आराधना करेंगे। कोई मां दुर्गा, तो कोई मां काली को प्रसन्न कर मनचाहा आशीर्वाद मांगेंगा। मां दुर्गा के बारे में कहा जाता है कि सच्चे मन से उनकी आराधना करने से हर मनोकामना पूरी होती है। धर्मग्रंथों में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं कि जिनका पालन करने से मां दुर्गा प्रसन्न होंगी और घर में धन-वैभव आएगा। यानी मां दुर्गा की आराधना कर मां लक्ष्मी को भी प्रसन्न किया जा सकता है। एक नजर इसी से जुड़ी अहम बातों पर

- नवरात्रि के सभी नौ दिन सूर्योदय से पूर्व स्नान करना चाहिए। इसके बाद घर में मां दुर्गा की मूर्ति स्थापित करना चाहिए। पीला आसन बिछाकर मूर्ति के आगे बैठकर पूजा करें।
- धर्म ग्रंथों में मां दुर्गा की पूजा का खास विधि बताई गई है। इसके अनुसार, नवरात्रि के नौ दिन मूर्ति के सामने घी का दीपक लगाएं। सुबह जलाए गए इस दीपक को शाम तक न बुझने दें।
- नौ दिन के लिए नौ दीपक तैयार करें और हरेक के सामने लाल रंग के चावल का ढेर लगा दें। अब चावल के इस ढेर पर श्रीयंत्र को स्थापित करें और उसकी पूजा करें। ऐसा पूरे नौ दिन करें।
- नवरात्रि के बाद चावल को नदी में प्रवाहित कर दें और श्रीयंत्र को घर के मंदिर में स्थापित कर लें। बताते हैं कि पूरी श्रद्धा के साथ इस विधि से मां की आराधना करेंगे तो लक्ष्मीजी अवश्य प्रसन्न होंगी।

जाने विदेशों में स्थित मां दुर्गा के शक्ति पीठों के बारे में

नवरात्रि शुरू होते ही मां के शक्तिपीठों में जयकारे लगने लगते हैं। इन नौ दिन हर दिन अलग-अलग देवियों की पूजा की जाएगी। नवरात्रि में शक्तिपीठों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करने का विशेष महत्व होता है।

क्या हैं शक्ति पीठ

धर्मग्रंथों तथा पुराणों के अनुसार जहां-जहां सती के अंग के टुकड़े, धारण किए वस्त्र या आभूषण गिरे, वहां-वहां शक्तिपीठ की स्थापना हुई। ये अत्यंत पावन तीर्थ कहलाये। ये तीर्थ पूरे भारतीय उपमहाद्वीप पर फैले हुए हैं। देवी पुराण में 51 शक्तिपीठों का वर्णन है। हालांकि देवी भागवत में जहां 108 और देवी गीता में 72 शक्तिपीठों का जिक्र मिलता है, वहीं तन्त्रचूडामणि में 52 शक्तिपीठ बताए गए हैं। देवी पुराण में जरूर 51 शक्तिपीठों की ही चर्चा की गई है। इन 51 शक्तिपीठों में से कुछ विदेश में भी हैं और पूजा-अर्चना द्वारा प्रतिष्ठित हैं। आईये जानते हैं विदेशों में स्थित शक्ति पीठों के बारे में-

यशोर शक्तिपीठ

यह शक्तिपीठ वर्तमान बांग्लादेश में खुलना जिले के जैसोर नामक नगर में स्थित है। यहां सती की 'वाम' का निपात हुआ था।

चट्टल शक्तिपीठ

चट्टल में माता सती की 'दक्षिण बाहु' गिरी थी। यहां माता सती को 'भवानी' तथा भगवान शिव को 'चंद्रशेखर' कहा जाता है। बाग्लादेश में चटगांव से 38 किमी दूर सीताकुंड स्टेशन के पास चंद्रशेखर पर्वत पर भवानी मंदिर है। यही 'भवानी मंदिर' शक्तिपीठ है।

करतोयाघाट शक्तिपीठ

यहाँ माता सती का 'वाम तल्प' गिरा था। यहाँ माता 'अपर्णा' तथा भगवन शिव 'वामन' रूप में स्थापित है। यह स्थल बांग्लादेश में है। बोगडा स्टेशन से 32 किमी दूर दक्षिण-पशचिम कोण में भवानीपुर ग्राम के बेगड़ा में करतोया नदी के तट पर यह शक्तिपीठ स्थित है।

सुगंधा शक्तिपीठ

बांग्लादेश के बरीसाल से 21 किलोमीटर उत्तर में शिकारपुर ग्राम में 'सुंगधा' नदी के तट पर स्थित 'उग्रतारा देवी' का मंदिर ही शक्तिपीठ माना जाता है। इस स्थान पर सती की 'नासिका' का निपात हुआ था।

हिंगलाज शक्तिपीठ

यहाँ माता सती का 'ब्रह्मरंध्र' गिरा था। यहाँ माता सती को 'भैरवी/कोटटरी' तथा भगवन शिव को 'भीमलोचन' कहा जाता है। यहाँ शक्तिपीठ पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रान्त के हिंगलाज में है। हिंगलाज कराची से 144 किमी दूर उत्तर-पश्चिम दिशा में हिंगोस नदी के तट पर है। यही एक गुफा के भीतर जाने पर मां आदिशक्ति के ज्योति रूप के दर्शन होते हैं।

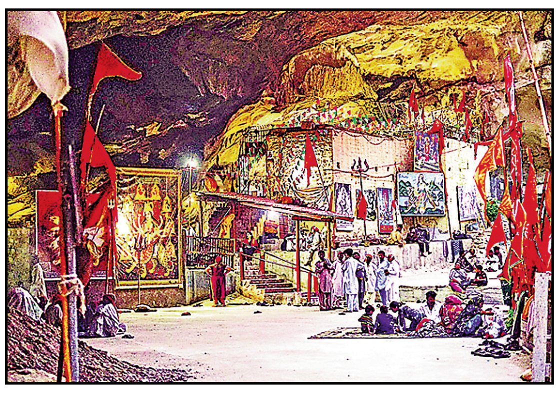

गुह्येश्वरी शक्तिपीठ

नेपाल में 'पशुपतिनाथ मंदिर' से थोड़ी दूर बागमती नदी की दूसरी ओर 'गुह्येश्वरी शक्तिपीठ' है। यह नेपाल की अधिष्ठात्री देवी हैं। मंदिर में एक छिद्र से निरंतर जल बहता रहता है। यहाँ की शक्ति 'महामाया' और शिव 'कपाल' हैं।

गण्डकी शक्तिपीठ

नेपाल में गण्डकी नदी के उद्गमस्थल पर 'गण्डकी शक्तिपीठ' में सती के 'दक्षिणगण्ड' का पतन हुआ था। यहां शक्ति त्राण्डकीस तथा भैरव त्र्चक्रपाणिस हैं।

लंका शक्तिपीठ

श्रीलंका में, जहां सती का 'नूपुर' गिरा था। यहां की शक्ति इन्द्राक्षी तथा भैरव राक्षसेश्वर हैं। लेकिन, उस स्थान ज्ञात नहीं है कि श्रीलंका के किस स्थान पर गिरे थे।

मानस शक्तिपीठ

यहां माता सती की 'दाहिनी हथेली' गिरी थी। यहाँ माता सती को 'दाक्षायणी' तथा भगवान शिव को 'अमर' कहा जाता है। यह शक्तिपीठ तिब्बत में मानसरोवर के तट पर स्थित है।

इस सप्ताह आएंगे दो आईपीओ, 365 करोड़ जुटाए जाएंगे

नई दिल्ली । हाल के सप्ताहों में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की बाढ़ के बाद प्राथमिक बाजार में इस सप्ताह सिर्फ दो आईपीओ आ रहे हैं, जिनके जरिये करीब 365 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। सितंबर में मुख्य मंच पर 12 आईपीओ और एसएमई (लघु और मझोले उद्यम) खंड में 40 आईपीओ आए थे। सात अक्टूबर से शुरू होने वाले अगले सप्ताह मुख्य मंच पर गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग और एसएमई खंड पर शिव टेक्सकेम के आईपीओ आने हैं। गरुड़ कंस्ट्रक्शन आईपीओ के जरिये 264 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। गरुड़ कंस्ट्रक्शन का आईपीओ आठ अक्टूबर को खुलकर 10 अक्टूबर को बंद होगा। शिव टेक्सकेम का 8-10 अक्टूबर के दौरान अपने आईपीओ के जरिये 101 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने का लक्ष्य है। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के चलते अक्टूबर की शुरुआत से शेयर बाजार में काफी गिरावट आई है। प्राइम डेटाबेस के अनुसार अस्थायी सुस्ती के बावजूद कुल मिलाकर आईपीओ बाजार का परिदृश्य सकारात्मक है। अभी 26 कंपनियों के पास आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी है, जिसके जरिये वे 72,000 करोड़ रुपये जुटाना चाहती हैं। इसके अलावा 55 कंपनियों के आईपीओ प्रस्ताव सेबी के पास विचाराधीन हैं। इन कंपनियों की आईपीओ के जरिये 89,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है।

एफपीआई ने अक्टूबर में भारतीय शेयरों से 27,142 करोड़ निकाले

नई दिल्ली । इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और चीन के बाजारों के बेहतर प्रदर्शन के कारण अक्टूबर के पहले तीन कारोबारी सत्रों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजारों से 27,142 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले सितंबर में भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई का निवेश नौ महीने के उच्च स्तर 57,724 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। अप्रैल-मई में शेयरों से 34,252 करोड़ रुपये निकालने के बाद जून से एफपीआई लगातार लिवाल रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि 2024 में जनवरी, अप्रैल और मई को छोड़कर अन्य महीनों में एफपीआई शुद्ध लिवाल रहे हैं। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भू-राजनीतिक घटनाक्रम और ब्याज दरों की भविष्य की दिशा जैसे कारक आगे भारतीय बाजार में एफपीआई के निवेश की दिशा तय करेंगे। आंकड़ों के अनुसार एक से चार अक्टूबर के बीच एफपीआई ने शेयरों से 27,142 करोड़ रुपये निकाले हैं। दो अक्टूबर को 'गांधी जयंती' के उपलक्ष्य में बाजार बंद रहे थे। ऋण या बॉन्ड बाजार की बात करें, तो समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने सामान्य सीमा के माध्यम से 900 करोड़ निकाले हैं और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग (वीआरआर) के माध्यम से 190 करोड़ रुपये का निवेश किया है।इस साल अबतक एफपीआई ने शेयरों में 73,468 करोड़ रुपये और ऋण या बॉन्ड बाजार में 1.09 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है।

घरेलू सड़क लॉजिस्टिक्स उद्योग राजस्व नौ फीसदी तक बढ़ सकता है: आईसीआरए

नई दिल्ली । घरेलू सड़क लॉजिस्टिक्स उद्योग को चालू वित्त वर्ष में राजस्व में नौ प्रतिशत तक वृद्धि की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने एक रिपोर्ट में कहा कि संगठित सड़क लॉजिस्टिक्स रिपोर्ट में पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में 4.6 प्रतशत की वृद्धि हुई थी। इक्रा के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में इस उद्योग का राजस्व 23,273 करोड़ रुपये रहा था। रिपोर्ट के अनुसार इक्रा को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय सड़क लॉजिस्टिक्स उद्योग का राजस्व सालाना आधार पर छह से नौ प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। एजेंसी ने कहा कि ई-कॉमर्स, एफएमसीजी, खुदरा, रसायन, फार्मास्यूटिकल्स और औद्योगिक वस्तुओं जैसे क्षेत्रों से अच्छी मांग, विभिन्न सरकारी उपायों और नीतियों से इस क्षेत्र के लिए एक स्थिर दृष्टिकोण बना हुआ है।

हिंडाल्को, जेएसडब्ल्यू स्टील झारखंड में तांबा खदान प्राप्त करने की दौड़ में शामिल

- नीलामी इसी माह में ही होने की संभावना

नई दिल्ली । आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और सज्जन जिंदल की अगुवाई वाली जेएसडब्ल्यू स्टील झारखंड में दो तांबे की खदानों को हासिल करने की दौड़ में शो मिल हो गई हैं। इन खानों को इसी महीने बिक्री के लिए रखा जाएगा। दोनों खदानों की कुल क्षमता सालाना 30 लाख टन की है। सूत्रों ने कहा कि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और जेएसडब्ल्यू स्टील झारखंड में सार्वजनिक क्षेत्र की हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की दो तांबा खदानों के अधिग्रहण की दौड़ में हैं। दोनों खदानों की नीलामी अक्टूबर में ही होने की संभावना है। इनमें से एक ब्लॉक नया है, जबकि दूसरा पिछले 20 साल से बंद है। हिंदुस्तान कॉपर ने पहले राखा तांबा खान को फिर से खोलने और उसका विस्तार करने और चापरी में भूमिगत खदान के विकास और संचालन के लिए खान डेवलपर-सह-परिचालक (एमडीओ) की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। हिंदुस्तान कॉपर ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा था कि राखा खनन पट्टा 2021 में समाप्त हो गया। खनन पट्टे के विस्तार का कार्य झारखंड सरकार के साथ प्रगति पर है, इसके अलावा खनन पट्टे के तहत शेष वन क्षेत्र पर चरण एक की वन मंजूरी देने के लिए आवेदन को परियोजना जांच समिति द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। राज्य वन विभाग के विभिन्न अधिकारियों द्वारा स्थल का निरीक्षण पूरा हो चुका है। हिंदुस्तान कॉपर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने हाल मे कहा था कि कंपनी खदान उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 1.22 करोड़ टन सालाना करने के लिए विस्तार परियोजनाओं को लागू कर रही है। इस कदम से तांबे के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में 37.8 लाख टन अयस्क का उत्पादन किया, जो वित्त वर्ष 2022-23 के 33.5 लाख से 13 प्रतिशत अधिक है।

अमेरिका के बाद अमूल अब यूरोपीय बाजार में करेगा प्रवेश

जमशेदपुर ।

अमूल और गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि अमूल द्वारा हाल ही में अमेरिका में पेश किया गया दूध बेहद सफल रहा है और अब वह यूरोपीय बाजार में प्रवेश करने के लिए तैयार है। हाल ही में यहां निजी व्यवसाय प्रबंधन संस्थान एक्सएलआरआई द्वारा आयोजित 'अमूल मॉडल- लाखों के जीवन में बदलाव' विषय पर 11वें डॉ. वर्गीज कुरियन स्मृति व्याख्यान में उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है और आगामी वर्षों में दुनिया के कुल दूध उत्पादन का एक-तिहाई भारत में होगा। डेयरी सिर्फ एक कारोबार नहीं है, यह ग्रामीण भारत के लिए जीवन रेखा है। अमेरिका में अमूल द्वारा हाल ही में पेश किए गए दूध के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह बेहद सफल रहा है, और अब वे पहली बार यूरोपीय बाजार में उतरने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि प्रासंगिक बने रहने के लिए अमूल प्रोटीन युक्त, ऑर्गेनिक और रसायन मुक्त उत्पादों की पेशकश करने पर ध्यान केंद्रित करती है। उन्होंने अमूल के संस्थापक डॉ. कुरियन द्वारा विकसित परिवेश की सराहना की।

Amul
The Taste of India

घरेलू सड़क लॉजिस्टिक्स उद्योग राजस्व नौ फीसदी तक बढ़ सकता है: आईसीआरए

नई दिल्ली। घरेलू सड़क लॉजिस्टिक्स उद्योग को चालू वित्त वर्ष में राजस्व में नौ प्रतिशत तक वृद्धि की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने एक रिपोर्ट में कहा कि संगठित सड़क लॉजिस्टिक्स रिपोर्ट में पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में 4.6 प्रतशत की वृद्धि हुई थी। इक्रा के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में इस उद्योग का राजस्व 23,273 करोड़ रुपये रहा था। रिपोर्ट के अनुसार इक्रा को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय सड़क लॉजिस्टिक्स उद्योग का राजस्व सालाना आधार पर छह से नौ प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। एजेंसी ने कहा कि ई-कॉमर्स, एफएमसीजी, खुदरा, रसायन, फार्मास्यूटिकल्स और औद्योगिक वस्तुओं जैसे क्षेत्रों से अच्छी मांग, विभिन्न सरकारी उपायों और नीतियों से इस क्षेत्र के लिए एक स्थिर दृष्टिकोण बना हुआ है। इक्रा लिमिटेड के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में उच्च मुद्रास्फीति, असमान मानसून, अपेक्षाकृत फीका त्योहारी सत्र और बढ़ती ब्याज दर के बीच अपेक्षाकृत सुस्त मांग के कारण वृद्धि धीमी रही थी।

आरबीआई के ब्याज दर और एफआईआई के रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- घरेलू वृहद आर्थिक आंकड़े, ब्रेंट कच्चे तेल के दाम भी बाजार को दिशा देंगे

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर निर्णय, पश्चिम एशिया के संघर्ष और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों से इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के तिमाही नतीजे, घरेलू वृहद आर्थिक आंकड़े, ब्रेंट कच्चे तेल के दाम भी बाजार को दिशा देंगे। पिछले सप्ताह पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और विदेशी कोषों की निकासी से शेयर बाजार में भारी गिरावट आई थी। बाजार के विश्लेषक कहते हैं कि घरेलू मोर्चे पर सभी की निगाह भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर रहेगी। एमपीसी की बैठक सात अक्टूबर को शुरू होगी। तीन दिन की बैठक के नतीजों की घोषणा बुधवार यानी नौ अक्टूबर को की जाएगी। उन्होंने कहा कि कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों का सत्र टीसीएस के साथ शुरू हो रहा है। घरेलू मोर्चे पर तरलता की स्थिति मजबूत बनी हुई है। ऐसे में अधिक मूल्यांकन वाले क्षेत्रों से नकदी का प्रवाह आकर्षक मूल्यांकन वाले क्षेत्रों की ओर हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जिंस कीमतें, अमेरिकी डॉलर सूचकांक और अमेरिका के महत्वपूर्ण वृहद आंकड़े भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के एक शोध प्रमुख ने कहा कि निफ्टी और सेंसेक्स दोनों के लिए क्रमशः 26,000 और 85,000 अंक के नए मील के पत्थर कुछ समय के लिए थे, क्योंकि पश्चिम एशिया की वजह से लगे झटकों और विदेशी कोषों द्वारा कुछ कम मूल्यांकन वाले एशियाई बाजारों की ओर रुख करने से बाजार प्रभावित हुआ। इससे बाजार में चार प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। शेयर बाजार में भारी गिरावट के बीच पांच दिन में निवेशकों की पूंजी 16.26 लाख करोड़ रुपये घट गई। बाजार का रुख प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा।

सप्ताह के दौरान आरबीआई का ब्याज दर पर निर्णय आना है। इसके अलावा औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी आएंगे। साथ ही अमेरिका में फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा, बेरोजगारी आंकड़े और अमेरिका के जीडीपी आंकड़े भी आने हैं। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) ने कहा कि निवेशकों की निगाह भू-राजनीतिक घटनाक्रम और कच्चे तेल की कीमतों पर इसके प्रभाव पर रहेगी। विदेशी कोषों के प्रवाह के अलावा घरेलू प्रवाह भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। घरेलू मोर्चे पर सभी की निगाह एमपीसी की बैठक पर है।

इस बैठक के नतीजों की घोषणा नौ अक्टूबर को होगी। उन्होंने कहा कि गणेश चतुर्थी और जन्माष्टमी के दौरान कंपनी ने बिक्री में अच्छी वृद्धि दर्ज की। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने अपने मासिक बिक्री विवरण में कहा कि सितंबर के अंत में पंजीकरण में तेजी आई है। यह आगामी त्योहारी सत्र की दृष्टि से अच्छा है।

अदाणी समूह ने अहमदाबाद में हरित हाइड्रोजन मिश्रित पीएनजी आपूर्ति शुरू की

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह ने अहमदाबाद के कुछ हिस्सों में घरों में आपूर्ति की जाने वाली खाना खाना पकाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) में हरित हाइड्रोजन का मिश्रण शुरू कर दिया है। फ्रांस की ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज टोटलएनर्जीज के साथ समूह की शहर गैस वितरण इकाई अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने अहमदाबाद के शांतिग्राम में पाइप वाली प्राकृतिक गैस आपूर्ति में 2.2-2.3 प्रतिशत हरित हाइड्रोजन का मिश्रण करना शुरू कर दिया है। लिंक्डइन पर पोस्ट में कंपनी ने यह जानकारी दी। स्वच्छ मार्गों के माध्यम से उत्पादित हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस पाइपलाइन में डाला जाता है। कंपनी ने इलेक्ट्रोलाइसिस प्रक्रिया के माध्यम से पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करने के लिए पवन या सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके हरित हाइड्रोजन का उत्पादन शुरू किया है। इस हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस में मिलाया जाता है। इसकी आपूर्ति घरों में खाना पकाने के लिए और उद्योग को की जाती है। एटीजीएल ने बयान कहा कि हम अहमदाबाद के अदाणी शांतिग्राम में अपने हाइड्रोजन मिश्रण प्रणाली के सफलता से शुरू होने की घोषणा करते हुए काफी रोमांचित हैं। पोस्ट में कहा गया है कि यह परियोजना 4,000 घरेलू और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को निर्बाध हाइड्रोजन-मिश्रित प्राकृतिक गैस प्रदान करेगी। वर्तमान में सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली

उत्पादक एनटीपीसी गुजरात के सूरत जिले के कवास में घरों को हरित हाइड्रोजन मिश्रित प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करती है। गेल (इंडिया) लिमिटेड भी मध्य प्रदेश के इंदौर में ग्रे हाइड्रोजन के साथ सीएनजी की आपूर्ति के लिए एक छोटी पायलट परियोजना पर काम कर रही है।

नए संकट में स्पाइसजेट, 5 अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने स्पाइसजेट के मैनेजिंग डायरेक्टर अजय सिंह और चार अन्य अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इन पर आरोप है कि कंपनी ने कर्मचारियों के प्रोविडेंट फंड (पीएफ) की 12 प्रतिशत कटौती की गई राशि उनके पीएफ खाते में जमा नहीं की। यह राशि लगभग 65 करोड़ रुपये की है। ईपीएफओ द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर यह मामला दर्ज किया गया है। स्पाइसजेट के ऊपर आरोप है कि जून 2022 से जुलाई 2024 के बीच कर्मचारियों के वेतन से पीएफ के 12 प्रतिशत हिस्से की कटौती की गई थी, जिसे 15 अगस्त 2024 तक जमा किया जाना था. लेकिन कंपनी ने इसे जमा नहीं किया। एफआईआर में कंपनी के एमडी अजय सिंह, निदेशक शिवानी सिंह, स्वतंत्र निदेशक अनुराग भार्गव और दो अन्य अधिकारियों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। यह आरोप है कि कंपनी ने अपने 10,000 से अधिक कर्मचारियों से कटौती की गई राशि को ईपीएफओ में जमा नहीं किया, जो कानून का उल्लंघन है। स्पाइसजेट ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह मामला कंपनी द्वारा क्यूआईपी के जरिए नए फंड जुटाने से पहले का है और तब से सभी लंबित वेतन और जीएसटी बकाया चुकाए जा चुके हैं। कंपनी ने कहा कि पीएफ के बकाए के दस महीने की रकम भी जमा की जा चुकी है और बाकी बकाया भी जल्द पूरा किया जाएगा।

कार कंपनियां त्योहारी सत्र पर बिक्री में अच्छी वृद्धि की कर रहीं उम्मीद

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख वाहन कंपनियां मौजूदा त्योहारी सत्र के दौरान अपनी बिक्री में अच्छी वृद्धि की उम्मीद कर रही हैं। त्योहारी सत्र ओणम से शुरू होकर दिवाली पर समाप्त होता है।

किआ इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पिछले 3-4 महीने उद्योग के लिए अच्छे नहीं रहे हैं क्योंकि पिछले साल की समान अवधि की तुलना में बिक्री में गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों की दबी मांग और सरकारी निवेश के आने से हमें लगता है कि यहां से चीजें सुधरनी शुरू हो जाएंगी। बरार ने कहा कि सितंबर में बुकिंग की रफ्तार अच्छी रही है और इससे अक्टूबर के लिए अच्छा संकेत मिलता है। उन्होंने कहा कि इस बार सभी त्योहार अक्टूबर में हैं। हम अक्टूबर में अपनी बिक्री में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में पांच से 10 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। बरार ने कहा कि जनवरी-अप्रैल की अवधि में यात्री वाहन उद्योग में सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी, लेकिन मई-सितंबर में इसमें लगभग दो-तीन प्रतिशत की गिरावट आई।

निसान मोटर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पूरा उद्योग तीन मुश्किल महीनों के बाद त्योहारी सत्र में कुछ रौनक की उम्मीद कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक चुनौतीपूर्ण अवधि रही है। त्योहारी सत्र से तय होगा कि तिमाही कैसी रहेगी। और तिमाही से तय होगा कि साल के शेष महीने कैसे रहेंगे। उन्होंने कहा कि हर कोई त्योहारी सत्र का इंतजार कर रहा है, खासकर उद्योग के लोग। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनी में ग्राहकों की संख्या और पूछताछ में वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने कहा इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हमारे रणनीतिक परिचालन में सुधार महत्वपूर्ण है। जैसे कि हमने तीसरी पाली शुरू की है। इससे हमारी आपूर्ति क्षमता का महत्तम इस्तेमाल हो रहा है। खासकर बड़ी मांग वाले मॉडल मसलन अर्बन क्रूजर हाइराइडर आदि के मामले में। इसके मामले में प्रतीक्षा अवधि कम हुई है।

इस्पात विनिर्माण करने लौह अयस्क फाइंस का उपयोग करें कंपनियां: सरकार

नई दिल्ली ।

इस्पात मंत्रालय ने एकीकृत इस्पात कंपनियों से इस्पात निर्माण के लिए लौह अयस्क फाइंस का उपयोग करने के लिए कहा है। इससे उपलब्ध कच्चे माल का उपयोग बढ़ सकेगा। सूत्रों के अनुसार मंत्रालय का यह भी कहना है कि कंपनियां विदेशों में कोकिंग कोल खदानों का अधिग्रहण करने जैसे विकल्पों पर विचार करें। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य प्रतिस्पर्धी कीमतों पर कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ाना है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उन्हें बताया गया है कि देश में लौह भंडार सीमित हैं और इसे संरक्षित करने के लिए कंपनियों को बेनेफिसिएशन की प्रक्रिया के जरिये निचले ग्रेड के अयस्क का उपयोग करना चाहिए। लौह अयस्क और कोकिंग कोयला ब्लास्ट फर्नेस मार्ग के माध्यम से इस्पात विनिर्माण के लिए उपयोग किए जाने वाले दो प्रमुख कच्चे माल हैं।

लौह अयस्क जहां प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, कोकिंग कोयले के लिए भारत काफी हद तक आयात पर निर्भर है। प्रमुख कंपनियां बीएफ (ब्लास्ट फर्नेस) के माध्यम से इस्पात बनाने के लिए केवल उच्च श्रेणी के अयस्क लंप्स (ढेले) का उपयोग करती हैं, जिसमें 65 प्रतिशत और उससे अधिक लौह तत्व होता है। फाइंस या चूरा निम्न श्रेणी का अयस्क है जिनमें लौह तत्व 64 प्रतिशत या उससे कम होता है।

बाजार में बड़ी गिरावट को क्यों अच्छा बता रहे एक्सपर्ट!

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार ने पिछले कारोबारी हफ्ते में बड़ी गिरावट देखी है। 5 दिन में 4100 अंक नीचे आने के बाद सेंसेक्स अभी 81700 के करीब आ गया है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में इस दौरान 16 लाख करोड़ से ज्यादा की गिरावट आई है। ऐसा माना जा रहा है कि अभी ये गिरावट और जारी रह सकती है। ईरान-इजरायल संकट पहले से ही बाजार को नीचे खींच रहे थे और अब हरियाणा व जम्मू-कश्मीर के चुनावों के नतीजे भी इसमें योगदान देने के लिए तैयार बैठे लग रहे हैं। एक तरफ जहां निवेशक आगामी संभावि गिरावट से सहमे बैठे हैं तो वहीं विशेषज्ञ इससे बहुत ज्यादा घबराते हुए नजर नहीं आ रहे हैं।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल्स के एक अे धिकारी ने एक इंटरव्यू में ज्यागा करेक्शन को फिलहाल बेहतर बताया। उन्होंने कहा है कि आने वाले समय में अगर बाजार खुद को करेक्ट (गिरावट) करता है तो यह निवेशकों, विशेषकर रिटेल निवेशकों के लिए बेहतर होगा। उनका कहना है कि इससे बाजार अभी के मुकाबले अधिक सुरक्षित हो जाएगा। उनका कहना है कि पहले मार्केट में काफी बड़ी गिरावट देखने को मिलती थी। बकौल शाह, हर 13-14 महीने में बाजार एक बार औसतन 20 फीसदी से ज्यादा नीचे आ जाता था।

उन्होंने कहा कि साल में 2 से 3 बार ये 10 परसेंट करेक्ट होता था। शाह ने कहा कि अब बाजार में ये देखने को नहीं मिल रहा है। 2020 से हमने कोई 20 परसेंट की गिरावट नहीं देखी है और केवल 1 बार 10 फीसदी का करेक्शन आया है। हम बाजार में निष्ठा के साथ पैसा लगाने से पहले एक बार 10-20 फीसदी की गिरावट देखना चाहेंगे। ये बाजार को काफी सुरक्षित बना देगा।

कम आपूर्ति के बीच आयातित पामोलीन तेल की कीमतें सुधरीं

नई दिल्ली ।

आयात के कम आर्डर रहने की वजह से कम आपूर्ति की स्थिति के बीच शनिवार को देश के थोक तेल-तिलहन बाजार में पामोलीन तेल कीमतों में मजबूती दर्ज हुई। सहकारी संस्था नेफेड की बिकवाली के बीच आपूर्ति बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन में गिरावट देखी गई जबकि बाकी खाद्यतेल- तिलहनों के भाव पूर्वस्तर पर बंद हुए।बाजार सूत्रों ने कहा कि हाजिर बाजार में माल की कमी के बीच कच्चा पामतेल (सीपीओ) का भाव जस का तस बना हुआ है। इसके भाव अधिक हैं और इस वजह से इसके आयात के आर्डर में गिरावट देखी गई जिससे खाद्यतेलों की आपूर्ति का संतुलन बिगड़ गया। लेकिन सीपीओ की कमी और त्योहारों की मांग देखते हुए जो आयात के आर्डर की लदान सितंबर के अंतिम दिनों या अक्टूबर के आरंभ में हुआ है, वह माल 15 अक्टूबर के बाद देश में पहुंचेगा। सीपीओ की इस कमी के बीच उसका प्रसंस्करण कर बनाये जाने वाले पामोलीन तेल का दाम मजबूत बंद हुआ। श निवार को सोयाबीन तेल-तिलहन, ऊंचे दाम पर कम कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन और कच्चा पामतेल (सीपीओ) के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे। सरसों तिलहन 6,750-6,800 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,300-6,575 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 14,850 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 14,075 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी- 2,190-2,290 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 2,190-2,305 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 13,500 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 13,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 9,800 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 12,500 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 12,850 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 13,900 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला 12,900 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,685-4,735 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,450-4,695 रुपये प्रति क्विंटल, मक्का खल (सरिस्का)- 4,225 रुपये प्रति क्विंटल।

महिला टी20 विश्वकप: भारत ने पाकिस्तान को हराया, 6 विकेट से जीता मैच

लखनऊ (एजेंसी)। दुबई - अरुंधति रेड्डी (चार ओवर में 19 रन पर तीन विकेट) और श्रेयंका पाटिल (चार ओवर में 12 रन पर दो विकेट) की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद शेफाली वर्मा और हरमनप्रीत कौर की उम्दा बल्लेबाजी से भारत ने महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में रविवार को यहां पाकिस्तान को छह विकेट से शिकस्त दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने आठ विकेट पर 105 रन बनाये। भारत ने 18.5 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने शुरुआती मैच में बड़ी हार झेलने के बाद भारतीय टीम को अपना नेट रन रेट पॉजिटिव करने के लिए इस मैच को 11.2 ओवर में जीतना था लेकिन टीम बाउंड्री लगाने के लिए संघर्ष करती दिखी।

दो मैचों में पहली जीत से भारतीय टीम ग्रुप तालिका में पांचवें से चौथे स्थान पर आ गई। पाकिस्तान हार के बावजूद तीसरे स्थान पर है। शेफाली वर्मा ने 35 गेंद की पारी में तीन चौके की मदद से 32 रन बनाये जबकि हरमनप्रीत ने गर्दन में खिंचाव के कारण रिटायर्ड हर्ट होने से पहले 24 गेंद में एक चौके की मदद से 29 रन का योगदान दिया। जेमिमा रोड्रिग्स ने 28 गेंद में 23 रन बनाये। हरमनप्रीत चोट के कारण मैच के बाद होने वाले पुरस्कार समारोह में भी नहीं आयी। पाकिस्तान की ओर से कप्तान फातिमा सना 23 रन देकर दो विकेट लिये। इससे पहले श्रेयंका और अरुंधति ने किफायती गेंदबाजी की। प्लेयर ऑफ द मैच अरुंधति ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। रेणुका सिंह, दीप्ति शर्मा और शोभना आशा को एक-एक सफलता मिली। पाकिस्तान के लिए अनुभवी निदा डार ने सबसे ज्यादा 28 रन का योगदान दिया। पूर्व कप्तान ने 34 गेंद की अपनी पारी में एक चौका जड़ा।

सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली ने 26 गेंद में दो चौकों की मदद से 17 जबकि निचले क्रम में सैयदा अरूब शाह ने 17 गेंद में नाबाद 14 रन बनाये। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी शुरुआती ओवरों में गेंदबाजों के खिलाफ गैप ढूंढने के लिए संघर्ष कर रही थी। मंधाना पांचवें ओवर में दबाव में सादिया इकबाल की गेंद को प्वाइंट क्षेत्र में तुबा हसन के हाथों में खेल गयी। उन्होंने 16 गेंद में सात रन का योगदान दिया। शेफाली छठे ओवर में शुरुआती पांच गेंद पर सिर्फ एक रन बना सकी जिससे पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर महज 25 रन ही था। इस दौरान टीम एक भी बाउंड्री नहीं लगा सकी।

जेमिमा रोड्रिग्स ने दौड़कर रन चुराने पर ध्यान दिया और उनकी यह कोशिश कारगर भी रही। इससे दबाव कम हुआ और शेफाली ने आठवें ओवर में तुबा हसन के खिलाफ भारतीय पारी का पहला चौका जड़ा। उन्होंने इसी गेंदबाज के खिलाफ 10वें ओवर में दूसरा चौका लगाया। इसी ओवर में भारतीय पारी का 50 रन पूरा हुआ। शेफाली ने ओमाइमा के खिलाफ चौका लगाया लेकिन एक और बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉन्ग ऑन पर आलिया रियाज को कैच दे बैठी। धीमी पिच पर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने भी बड़े शॉट खेलने की जगह दौड़ कर रन बनाने पर ध्यान दिया।

पाकिस्तान की कप्तान फातिमा ने 16वें ओवर में लगातार दो गेंदों पर जेमिमा और ऋचा घोष (शून्य) को आउट कर भारत पर दबाव बना दिया। दोनों का कैच विकेटकीपर मुनीबा अली ने लपका। हरमनप्रीत और दीप्ति ने इसके बाद गेंद को क्षेत्ररक्षकों से दूर खेल कर रन गति को तेज करने की कोशिश की। हरमनप्रीत ने 18वें ओवर में फातिमा के खिलाफ चौका जड़ा लेकिन अगले ओवर में गर्दन में खिंचाव के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। सजना संजीवन ने अगली गेंद पर चौका जड़कर भारत को जीत दिला दी। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर भारत को पहले

गेंदबाजी करने को कहा और रेणुका ने पहले ओवर में ही गुल फिरोजा को खाता खोले बगैर बोल्ड किया। मुनीबा ने हालांकि इस गेंदबाज के दूसरे ओवर में दो चौके के साथ रन गति को तेज किया।

दूसरे छोर से सिदरा अमीन (आठ) दीप्ति के खिलाफ स्वीप शॉट पर चौका लगाने के बाद इस तरह के दूसरे प्रयास में बोल्ड हो गयी। पावर प्ले में पाकिस्तान ने दो विकेट पर 29 रन बना लिये थे। अरुंधति की गेंद पर शॉट फाइन लेग पर आशा ने मुनीबा का बेहद आसान कैच टपका दिया लेकिन इसी ओवर में शेफाली ने ओमाइमा (तीन) के कैच को लपकने में कोई गलती नहीं की। पाकिस्तान के बल्लेबाज बड़ा शॉट खेलने की कोशिश कर रहे थे लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने शिकंजा कस रखा था। मुनीबा श्रेयंका के खिलाफ क्रीज से बाहर निकली लेकिन गेंद और बल्ले का संपर्क नहीं हुआ और विकेटकीपर ऋचा ने गिल्लियां बिखेरने में देर नहीं लगायी। श्रेयंका का यह ओवर मेडन रहा जिससे 10 ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर चार विकेट पर 41 रन था।

सचिन तेंदुलकर अमेरिका की नेशनल क्रिकेट लीग के स्वामित्व ग्रुप में शामिल

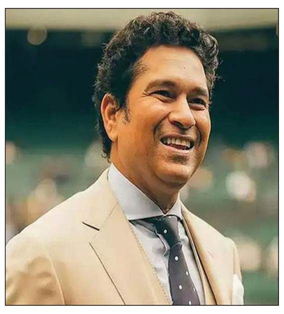

वाशिंगटन/टेक्सास (एजेंसी)। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर अमेरिका की नेशनल क्रिकेट लीग (एनसीएल) के स्वामित्व ग्रुप में शामिल हो गए हैं और इस कदम से आगामी वर्षों में अमेरिका में खेल को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एनसीएल के तेंदुलकर के जुड़ने की घोषणा के बाद इस महान बल्लेबाज ने कहा, 'क्रिकेट मेरे जीवन की सबसे बड़ी चाह रहा है और मैं अमेरिका में खेल के लिए ऐसे रोमांचक समय में नेशनल क्रिकेट लीग में शामिल होकर खुश हूं।'

तेंदुलकर ने कहा, 'एनसीएल का उद्देश्य विश्व स्तरीय क्रिकेट के लिए एक मंच तैयार करना है और साथ ही प्रशंसकों की नई पीढ़ी को जुड़ने के लिए प्रेरित करना है। मैं इस नयी पहल का हिस्सा बनने और अमेरिका में क्रिकेट के विकास को प्रत्यक्ष रूप से देखने के लिए उत्सुक हूं।'

मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार एनसीएल ट्वेंटी टूर्नामेंट गायक मीका सिंह के कार्यक्रम के साथ शुरू होगा। इस सत्र में एनसीएल में सुनील गावस्कर, जहीर अब्बास, वसीम अकरम, दिलीप वेंगसरकर, सर विवियन रिचर्ड्स, वेंकटेश प्रसाद, सनत जयसूर्या, मोइन खान और ब्लेयर फ्रैंकलिन जैसे क्रिकेट के दिग्गज शामिल होंगे। क्रिकेट के ये नायक अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को मार्गदर्शन और कोचिंग देंगे।

इसमें दुनिया भर से शीर्ष खिलाड़ी जैसे शाहिद अफरीदी, सुरेश रैना, दिनेश कार्तिक, शाकिब अल हसन, रोबिन उथप्पा, तबरेज शम्सी, क्रिस लिन, एंजेलो मैथ्यूज, कोलिन मुनरो, सैम बिलिंग्स, मोहम्मद नबी और जॉनसन चार्ल्स भी शामिल होंगे। एनसीएल के अध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने कहा, 'हम सचिन तेंदुलकर का नेशनल क्रिकेट लीग परिवार में स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं।' मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार तेंदुलकर एनसीएल के शुरुआती टूर्नामेंट में विजेता टीम को चैंपियनशिप ट्रॉफी प्रदान करेंगे।

सहवाग के जोखिम भरे शॉट को लेकर भडक गए थे जॉन राइट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आक्रामक बल्लेबाजी शैली और जोखिम लेने की प्रवृत्ति पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग हमेशा चर्चा का विषय बनाती रही है। एक बार तो सहवाग के कोच जॉन राइट इतना नाराज हो गए कि उन्होंने सहवाग को मुक्का मार दिया। यह घटना उस समय की है जब सचिन तेंदुलकर भी ड्रेसिंग रूम में मौजूद थे, लेकिन उन्होंने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। सौरव गांगुली ने इस बारे में एक किस्सा साझा किया है, जिसमें बताया गया कि कैसे सहवाग ने एक मैच में अपने जोखिम भरे शॉट के कारण कोच को भड़काया। गांगुली ने कहा, 'मुझे याद है कि यह श्रीलंका के खिलाफ एजबेस्टर में हुआ था। उस समय हमारा लक्ष्य 210 रन का था। सहवाग ने अपनी धुआंधार बल्लेबाजी से हमें जीत दिलाई। मैच के बाद, जब मैं ड्रेसिंग रूम में गया, तो माहौल काफी गंभीर था।' गांगुली ने अनिल कुंबले से पूछा कि ऐसा क्यों हुआ, तो कुंबले ने बताया कि जॉन राइट ने सहवाग को कोने में घसीटकर मुक्का मारा। राइट ने सहवाग से कहा, 'अब तुम भारत के लिए दोबारा नहीं खेलोगे, क्योंकि उस शॉट के कारण हम हार सकते थे।' गांगुली ने जॉन से पूछा कि क्या सहवाग ने पलटकर कोई प्रतिक्रिया दी, तो राइट ने कहा कि सहवाग ने ऐसा नहीं किया। जब गांगुली ने सहवाग से बात की, तो उन्होंने इसे हल्के में लिया और कहा, 'जाने दो, ऐसा होता रहता है। मैंने एक खराब शॉट खेला।' इसके बाद, गांगुली ने सचिन से इस बारे में पूछा, तो सचिन ने कहा कि वह उस समय चाय का आनंद ले रहे थे और स्थिति को देखकर कुछ नहीं बोले।

रोहित शर्मा ने किया खुलासा, ऋषभ पंत के मास्टरप्लान ने भारत को टी20 विश्व कप में दिलाई जीत

सेंट जोन्स (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2024 का फाइनल अभी भी प्रशंसकों के दिमाग में ताजा है। चाहे वह सूर्यकुमार यादव का कैच हो, डेथ ओवर में तेज गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी हो या विराट कोहली का दृढ़ अर्धशतक, ऐसे कई कारक हैं जिन्होंने भारत को खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराने में मदद की। हालांकि कप्तान रोहित शर्मा ने अब एक और कारक का खुलासा किया है जिसने भारत की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। कपिल शर्मा के कॉमेडी शो में रोहित ने खुलासा किया कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने मैच को धीमा करने के लिए एक शानदार चाल सोची जिससे भारत को दक्षिण अफ्रीका की लय को बाधित करने में मदद मिली और भारत के पक्ष में जीत का रास्ता बन गया।

उन्होंने शो में कहा, 'जब दक्षिण अफ्रीका को 30 गेंदों पर 30 रन चाहिए थे, उससे ठीक पहले एक छोटा ब्रेक था। पंत ने अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करके खेल को रोक दिया - उनके घुटने में चोट थी, इसलिए उन्होंने अपने घुटने पर टेप लगा लिया, जिससे खेल धीमा हो गया - क्योंकि खेल तेज गति से आगे बढ़ रहा था और उस समय, बल्लेबाज बस यही चाहता था कि गेंद जल्दी फेंकी जाए। लेकिन हमें लय तोड़नी थी। जब मैं फील्ड सेट कर रहा था और गेंदबाजों से बात कर रहा था, तो अचानक मैंने देखा कि पंत जमीन पर गिर गया। फिजियोथेरेपिस्ट आ गया था और उसके घुटने पर टेप लगा रहा था। क्लासेन मैच के फिर से शुरू होने का इंतजार कर रहा था। मैं यह नहीं कह रहा कि यह एकमात्र कारण है, लेकिन यह उनमें से एक हो सकता है, पंत साहब ने अपनी सूझबूझ का इस्तेमाल किया और चीजें हमारे पक्ष में हो गईं।'

इस ब्रेक के बाद, हार्दिक पांड्या ने खतरनाक हेनरिक क्लासेन को आउट किया जिससे भारतीय टीम के लिए खुद को फिर से ड्राइविंग सीट पर लाने का रास्ता साफ हो गया। हालांकि डेविड मिलर ने भी टीम से खिताब छीनने की कोशिश की, लेकिन आखिरी 2-3 ओवरों में दबाव दक्षिण अफ्रीका पर था और भारत ने इस स्थिति का फायदा उठाया। उन्होंने कहा, 'ऐसा ही हुआ। हार्दिक ने उस ओवर में क्लासेन को आउट किया और उसके बाद से दक्षिण अफ्रीका पर दबाव बनना शुरू हो गया। फिर सभी लड़के इकट्ठे हुए और बल्लेबाजों को स्लेज करना शुरू कर दिया, जिसका कारण मैं यहां नहीं बता सकता, लेकिन यह जरूरी था क्योंकि हमें किसी भी कीमत पर जीतना था। जीतने के लिए हम कुछ जुर्माना लेने को तैयार थे। इसलिए मैंने लड़कों से कहा कि वे जो भी महसूस करें कहें, हम बाद में अंपायरों और रेफरी से निपट लेंगे।'

विकेटकीपर ऋचा ने शानदार कैच पकड़ा

दुबई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर ऋचा घोष ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ हुए टी20 मुकाबले में एक शानदार कैच पकड़कर सभी का ध्यान खींचा। ऋचा ने पहली स्लिप पर पाक कप्तान फातिमा सना का ये कैच लिया। पाक कप्तान ने इस गेंद पर चौका लगाने का प्रयास किया पर ऋचा के सामने उनकी एक चली। ऋचा ने तेजी से जाकर गेंद लपक ली। इससे पहले इस मुकाबले में पाक ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम के गेंदबाजों के आगे पाक टीम खुलकर नहीं खेल पायी। उसके बल्लेबाजों ने एक के बाद एक विकेट गंवाये। यही कारण है कि पाकिस्तानी टीम निर्धारित 20 ओवर में किसी प्रकार 8 विकेट पर 105 रन बना पायी। पाक की ओर से सबसे ज्यादा रन निदा डार ने 28 रन बनाए। इसके अलावा और कोई भी खिलाड़ी बल्लेबाजी में अपना टिक नहीं पायीं।

आईपीएल में भी कप्तानी करना चाहते हैं सूर्यकुमार

ग्वालियर। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव आने वाले समय में आईपीएल में भी कप्तानी करना चाहते हैं। अभी सूर्या भारतीय टी20 टीम के कप्तान हैं। ऐसे में उनकी फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस उन्हें हर हाल में बरकरार रखना चाहेगी। आईपीएल के लिए निलामी दिसंबर में होगी। अब देखना है कि मुम्बई उन्हें कप्तानी का अवसर देगी या नहीं। मुम्बई ने पिछले सत्र में हार्दिक पंड्या को कप्तान बनाया पर उनका और टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पिछले आईपीएल के बाद से सूर्यकुमार सबकी नजरों में हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस उन्हें कोई अहम भूमिका दे सकती है। सूर्यकुमार ने कहा कि मैं किसी भी नई भूमिका के लिए तैयार रहूंगा। सूर्या ने श्रीलंका के खिलाफ कप्तानी करने से पहले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई सीरीज में भी कप्तानी की थी। वहीं सूर्यकुमार ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में युवाओं का अवसर मिला है। ऐसे में इन खिलाड़ियों के पास अपने को साबित करने का अच्छा अवसर मिलेगा।

श्रीजेश का कोचिंग पदार्पण, सुल्तान जोहोर कप में भारतीय जूनियर टीम की कमान संभालेंगे आमिर अली

बेंगलुरु (एजेंसी)। आमिर अली को 19 अक्टूबर से मलेशिया में शुरू होने वाले सुल्तान जोहोर कप के लिए 18 सदस्यीय जूनियर हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया है और रोहित उप कप्तान होंगे जबकि महान गोलकीपर पीआर श्रीजेश का मुख्य कोच के तौर पर यह पहला दौरा होगा।

भारत अपने अभियान की शुरुआत 19 अक्टूबर को जापान के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम का सामना ब्रिटेन (20 अक्टूबर), मेजबान मलेशिया (22 अक्टूबर), ऑस्ट्रेलिया (23 अक्टूबर) और न्यूजीलैंड (25 अक्टूबर) से होगा। शीर्ष दो टीम 26 अक्टूबर को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगी। डिफेंडर आमिर अली और फॉरवर्ड गुरजोत सिंह उस सीनियर टीम का हिस्सा थे जिसने चीन के मोकी में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अपना खिताब बरकरार रखा था।

कप्तान अली ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, 'सुल्तान जोहोर कप हमेशा की तरह हमारे कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। यह टूर्नामेंट इस साल नवंबर में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप मस्कट 2024 से पहले टीम के लिए परीक्षा के तौर पर काम करेगा।' उन्होंने कहा, 'सभी खिलाड़ी मलेशिया में बेहतरीन हॉकी मैच खेलने के लिए उत्साहित हैं।'

टीम इस प्रकार है

गोलकीपर: बिक्रमजीत सिंह, अली खान

डिफेंडर: आमिर अली (कप्तान), तलेम प्रियोबार्ता, शारदानंद तिवारी, सुखविंदर, अनमोल एक्का, रोहित (उप-कप्तान)

मिडफील्डर: अंकित पाल, मनमीत सिंह, रोसन कुजूर, मुकेश टोप्पो, चंदन यादव

फॉरवर्ड: गुरजोत सिंह, सौरभ आनंद कुशवाहा, दिलराज सिंह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद कोनैन डैड।

धोनी का आईपीएल खेलना संदिग्ध, इस माह के अंत में होगा फैसला

मुम्बई। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 खेलने की संभावनाएं काफी कम हैं। माना जा रहा है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान धोनी इसी माह सीएसके अधिकारियों से मिलेंगे और अपना फैसला देंगे। इसका कारण है कि धोनी पांच साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर होने के कारण अब अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में आ गये हैं। सीएसके की एक रिपोर्ट में भी कहा गया है कि आगामी सत्र में एमएस धोनी का भाग लेना अभी तक तय नहीं है। आईपीएल 2008 की मेगा नीलामी में सीएसके ने धोनी के साथ 6 करोड़ रुपये में करार किया था। वह उस समय से ही इस सीएसके टीम में बने हुए हैं। वह सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। इसके अलावा, उन्होंने 5000 से अधिक रन भी बनाए हैं। उनकी कप्तानी में सीएसके ने पांच बार खिताब जीता है। धोनी ने आईपीएल 2024 की शुरुआत से पहले ही कप्तानी छोड़ दी थी। उसके बाद रुतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया गया था। बीसीसीआई के एक नियम के अनुसार अनकैप्ड खिलाड़ी को 4 करोड़ से अधिक की राशि में रिटेन नहीं किया जा सकता। ऐसे में ये धोनी के लिए काफी नुकसानदेह होगा क्योंकि उनके संन्यास लिए 5 साल से अधिक हो गये हैं।

शिवम दुबे ने पसंदीदा कप्तान को लेकर दिये अपने जवाब से सभी को प्रभावित किया

मुम्बई। ऑलराउंडर शिवम दुबे से एक शो दौरान कहा जब पूछा गया कि उनका पसंदीदा कप्तान कौन है तो शिवम ने एक ऐसा जवाब दिया जिसे सभी ने पसंद किया है। शिवम से महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के के बारे में पूछा गया था। तब उनके जवाब से दर्शकों के साथ ही मेजबान और अन्य क्रिकेटर भी प्रभावित नजर आये शिवम ने इसके जवाब में कहा, जब मैं चेन्नई के लिए खेलता हूं, तो एमएस धोनी सर्वश्रेष्ठ होते हैं, वहीं जब मैं भारतीय टीम से खेलता हूं तो रोहित शर्मा सर्वश्रेष्ठ होते हैं। शिवम चोटिल होने के कारण बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हैं। उनकी पीठ में चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें पूरी सीरीज से बाहर होना पड़ा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उनके स्थान पर तिलक वर्मा को शामिल किया है। दुबे अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे। चोट के कारण वे ईरानी कप के लिए मुंबई की टीम से भी बाहर हो गए। हालांकि उनकी चोट की गंभीरता स्पष्ट नहीं है, लेकिन टीम प्रबंधन ने उनकी स्थिति को और खराब होने से बचाने के लिए सतर्क रुख अपनाया है।

फीफा ने इजरायली फुटबॉल महासंघ को निलंबित करने से इंकार किया

-फलस्तीनी फुटबॉल ने की थी मांग

ज्यूरिख। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने इजरायल फुटबॉल महासंघ की सदस्यता समाप्त करने की मांग ठुकरा दी है। इससे पहले फलस्तीन ने मई में हुई फीफा की बैठक में इजरायल की सदस्यता निलंबित करने की मांग की थी। वहीं इस मामले में अब फैसला आया है। फीफा ने यहां आयोजित अपनी शीर्ष परिषद की बैठक के बाद कहा कि इजरायली फुटबॉल महासंघ को निलंबित नहीं किया हालांकि उसने कहा कि फलस्तीन के अधिकारियों द्वारा लगाए गए कथित भेदभाव के आरोपों की जांच की जाएगी। फीफा ने कहा कि उसका एक सीनियर पैनल फलस्तीन के क्षेत्र में स्थित इजरायली फुटबॉल टीमों की इजरायली प्रतियोगिताओं में भागीदारी की जांच करेगा। वहीं फलस्तीन फुटबॉल महासंघ अधिक समय से फीफा से वेस्ट बैंक की बस्तियों की टीमों को अपनी लीग में शामिल करने के लिए इज़रायली फुटबॉल संस्था के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहा है।

हॉकी स्टार रानी रामपाल का सूटकेस टूटा, खिलाड़ी ने एयरलाइंस पर निकाली भड़ास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम की स्टार प्लेयर रानी रामपाल रविवार की सुबह उस समय भड़क गई जब एयर इंडिया ने उनके लगेज को गलत तरीके से हैंडल किया। रानी ने सोशल मीडिया पर एयरलाइन की आलोचना की और 6 अक्टूबर को अपने टूटे सूटकेस की तस्वीर पोस्ट की।

भारतीय हॉकी स्टार हाल ही में अमेरिका और कनाडा की छुट्टियों पर थीं और अपने खाली समय में खूब मौज-मस्ती कर रही थीं। छुट्टियों के आखिर में उन्हें उस समय बुरा लगा जब उन्होंने बैगेज बेल्ट से अपना लगेज उठाया और पाया कि वह टूटा हुआ है। रानी ने ट्विटर पर कहा, 'इस शानदार सरप्राइज के लिए एयर इंडिया का शुक्रिया। आपका स्टाफ हमारे बैग के साथ ऐसा ही व्यवहार करता है। आज दोपहर कनाडा से भारत लौटते समय दिल्ली में उतरने के बाद मैंने पाया कि मेरा बैग टूटा हुआ है।'

रानी को अपने पोस्ट पर एयर इंडिया की ओर से तुरंत जवाब मिला जिसमें उनसे उनकी उड़ान का विवरण साझा करने के लिए कहा गया। हॉकी खिलाड़ी ने अनुरोध स्वीकार कर लिया और उम्मीद जताई कि उनकी समस्या के समाधान के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे। ट्विटर थ्रेड में कई अन्य यात्रियों ने भी रानी जैसी ही शिकायत की और एयरलाइन पर उनके सामान की गलत तरीके से देखभाल करने का आरोप लगाया।

गौर हो कि रानी रामपाल अपने असाधारण कौशल, समर्पण और प्रेरणादायक यात्रा के लिए जानी जाती हैं, जिसने उन्हें खेल में एक किंवदंती बना दिया है। 4 दिसंबर 1994 को हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के गांव शाहाबाद मारकंडा में जन्मी रानी रामपाल का जीवन शुरुआती प्रतिकूलताओं से भरा था। उनके पिता, एक गाड़ी-खींचने वाले, गुजारा करने के लिए संघर्ष करते थे, लेकिन रानी का हॉकी के प्रति जुनून छोटी उम्र से ही निर्विवाद था। उन्हें 6 साल की उम्र में खेल से परिचित कराया गया और उन्होंने द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता बलदेव सिंह के मार्गदर्शन में शाहाबाद हॉकी अकादमी में प्रशिक्षण लेना शुरू किया।

उन्होंने 2008 में मात्र 14 वर्ष की उम्र में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया और भारत की अब तक की सबसे कम उम्र की हॉकी खिलाड़ी बन गईं। 2010 में उनका विश्व कप पदार्पण हुआ, जब वह केवल 15 वर्ष की थीं, और वह विश्व कप में भाग लेने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। इस टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने सात गोल किए, जिससे भारत को 1978 के बाद से अपनी सर्वश्रेष्ठ विश्व कप रैंकिंग हासिल करने में मदद मिली।

रैना की सिक्सी स्ट्राइक्स टूर्नामेंट में आक्रामक बल्लेबाजी

न्यूयार्क। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना आजकल अमेरिका में जारी सिक्सी स्ट्राइक्स टूर्नामेंट में अपने आक्रामक बल्लेबाजी से छाये हुए हैं। रैना ने यहां आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत भी दिलायी है। इस टूर्नामेंट में वह न्यूयॉर्क लायंस की ओर से खेल रहे हैं। न्यूयॉर्क लायंस और लॉस एंजिलिस वेल्स के बीच खेले गये मुकाबले में रैना ने बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की गेंदों की भी जमकर पिटाई की रैना ने शाकिब के ओवर में दो छक्के लगा दिया। इसके अलावा चौका भी लगाया। शाकिब के ओवर से कुल 18 रन आए थे। रैना की इस तेज पारी की वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने 28 गेंद पर 53 रन बनाए। उनके बल्ले से इस पारी में 6 चौके और 3 छक्के देखने को मिले। रैना के कारण न्यूयॉर्क लायंस 19 रन से जीत दर्ज करने में सफल रही। निर्धारित 10 ओवर में न्यूयॉर्क ने 4 विकेट पर 126 रन ठोक बनाये। रैना ने उपुल थरंगा के साथ मिलकर 89 रन की साझेदारी की। इसके बाद [illegible]

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में रविशंकर महाराज (व्यास) उद्यान-अठवा और ज्योतिंद्र दवे उद्यान-अडाजन का उद्घाटन

सूरत। केंद्रीय जल मंत्री श्री सी.आर. पाटिल, सूरत नगर निगम और टोरेंट ग्रुप के यू.एन.एस. फाउंडेशन द्वारा सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत रु. 12 करोड़ से ज्योतिंद्र दवे उद्यान का नवीनीकरण और रु. 2.75 करोड़ की लागत से नवीकृत समाज सुधारक श्री रविशंकर महाराज (व्यास) उद्यान का उद्घाटन किया गया।

इन पार्कों में पाउडर लेपित सौंदर्य बाड़, जानवरों के प्रवेश को रोकने के लिए विशेष रूप से डिजाइन और निर्मित टर्न-स्टाइल गेट, शारीरिक रूप से विकलांगों तक पहुंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए रैंप, बड़े बैठने के मैदान और मंडप, उन्नत उपकरणों के साथ बच्चों के खेलने का क्षेत्र, ओपन जिम, स्वच्छता है। -पूरी तरह हवादार शौचालय, विकलांगों के लिए विशेष शौचालय, आरओ वाटर और वाटर कूलर, विभिन्न कला गतिविधियों के लिए एम्फीथिएटर, आराम के लिए विशेष बेंच, सिंचाई के लिए बोरवेल और भूमिगत टैंक, सॉफ्ट लैंडस्केप, पेड़ों के संरक्षण के साथ-साथ योग और पुरानी गतिविधियों के लिए विशेष ऋ्रग नए पेड़-पौधों और औषधीय किस्मों के पौधों के रोपण सहित सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इस दौरान सांसद मुकेश दलाल, मेयर दक्षेश मवानी, विधायक सर्वश्री पूर्णेश मोदी, संदीप देसाई, मनु पटेल, अरविंद राणा, डे मेयर नरेंद्र पाटिल, स्थायी समिति के अध्यक्ष राजन पटेल, सत्तारूढ़ दल के नेता शशिबेन त्रिपाठी, दंडक धर्मेश वानियावाला, नगर निगम आयुक्त शालिनी उपस्थित थे। इस अवसर पर अग्रवाल, पूर्व महापौर निरंजन जंजमेरा, विभिन्न समितियों के अध्यक्ष, नगरसेवक और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

धूमधाम से निकाली गई भगवान राम की बारात

सुरत भुमि, सूरत। श्री आदर्श रामलीला ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को धूमधाम से राम बारात निकाली गई। राम बारात श्री महेंदीपुर बालाजी मंदिर न्यू सिटी लाइट से प्रारंभ हुई। राम बारात का शुभारंभ ट्रस्ट के अध्यक्ष रतन गोयल, महामंत्री अनिल अग्रवाल उपाध्यक्ष सुशील बंसल,कोषाध्यक्ष अजय बंसल आदि ने किया। राम बारात राजहंस जियॉन, केनाल रोड से होते हुए सोमेश्वरा इंक्लेव से रामलीला मैदान के सामने पहुंची। राम बारात में झांकिया आकर्षण का केंद्र रही। राम बारात देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

बारात में बैंड बाजा, रोशनी, झूमर आगरा की प्रसिद्ध चलती फिरती विभिन्न प्रकार की झांकिया आदि के साथ प्रभु रामजी अपने भाइयों सहित रथ पर दूल्हा बन भक्तों को दर्शन दिया। बैंड की धुन पर श्रद्धालु झूमते हुए चल रहे थे। भगवान राम का डोला देखने लायक था और आकर्षण का केंद्र रहा। रामबारात को देखने के लिए बच्चों सहित बड़ों की भीड़ उमडी। जगहों जगहों पर सोसायटी वासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर आरती भोग प्रसाद के साथ श्रीराम बारात का स्वागत किया गया। राम बारात भ्रमण करते हुए वेसू रामलीला मैदान पहुंची। जहां बारातियों के लिए भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई थी।

सार्वजनिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एससीईटी)ने "पुस्तक नाद" नामक एक पुस्तक समीक्षा श्रृंखला का सफलतापूर्वक आयोजन किया

सुरत भुमि, सूरत। सार्वजनिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एससीईटी) के तहत काम करने वाले कैलिडोस्कोप ऋएससीईटी क्लब ने "पुस्तक नाद" नामक एक पुस्तक समीक्षा श्रृंखला का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों में किताबें पढ़ने के प्रति प्रेम विकसित करना और पढ़ने की आदत विकसित करना है।

इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में "रिलायंस फाउंडेशन स्कूल, सूरत" की शिक्षिका, पुस्तक प्रेमी एवं रणनीतिक नेता सुश्री. शिम्ना को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने छात्रों को एक दिलचस्प पुस्तक समीक्षा लिखने के बारे में मार्गदर्शन किया, जिसमें लेखक का व्यक्तित्व, पुस्तक की समयावधि और उसकी शैली जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल थीं।

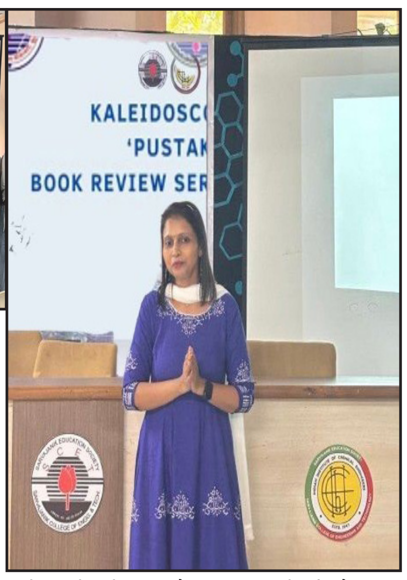

"पुस्तक नाद" में एक पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें चयनित छात्रों ने अपनी पसंद की पुस्तकों की रोचक समीक्षाएँ प्रस्तुत कीं। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पुस्तक प्रेम एवं विचारशीलता विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया।

सार्वजनिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एससीईटी) द्वारा किताबें पढ़ने के प्रति जागरूकता और रुचि पैदा करने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई है, जो छात्रों को ज्ञान के नए द्वार खोलने के लिए प्रेरित करेगी।

गुजरात हाउसिंग बोर्ड द्वारा छापराभाठा में निर्मित प्रधानमंत्री आवास योजना के ईडब्ल्यूएस-1 और ईडब्ल्यूएस-2 की कम्प्यूटरीकृत ड्रा आवास वन पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल द्वारा बनाई गई

सूरत। गुजरात हाउसिंग बोर्ड ने वन पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल द्वारा छापराभाठा स्थित ईडब्ल्यूएस -1 और ईडब्ल्यूएस -2 के तहत प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत 111 घरों का कम्प्यूटरीकृत ड्रा निकाला। लगभग 420 आवेदनों के कम्प्यूटरीकृत ड्रा के माध्यम से, परिवारों को उनके सपनों की पक्की छत आवंटित की गई।

इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हर परिवार का एक घर का सपना होता है। एक सामान्य पारिवारिक व्यक्ति जीवन भर कड़ी मेहनत करता है लेकिन अपने घर का सपना पूरा नहीं कर पाता। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी की दूरदर्शिता का परिणाम है कि आज लाखों परिवारों के सपने पूरे हो रहे हैं। देश में पहली बार नदी के किनारे रहने वाले हजारों परिवारों को छप्पर की छत देने का काम सरकार ने किया है। हर माता-पिता की एक इच्छा होती है कि उनके पास अपने बच्चों की कठिनाइयों का सामना किए बिना अपना खुद का घर हो। सरकार इसे पूरा करने का काम कर रही है.

इसके अलावा मंत्री ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में कई योजनाओं का लाभ डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में प्राप्त हुआ है. इसके साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा, राशन, आवास, बिजली, स्वच्छ पेयजल सहित बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने उपस्थित सभी नागरिकों से जागरूक रहने का अनुरोध करते हुए कहा कि पी.एम. किसान योजना के तहत किसान परिवारों को हर साल तीन बराबर किस्तों में 6,000 रुपये की सहायता दी जा रही है. ऑलपाड तालुका में ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में अब तक 15 हजार से अधिक परिवारों को प्रधानमंत्री आवास आवंटित किया गया है।

इस अवसर पर नगरसेवक सर्वश्री राजेंद्रभाई पटेल, अजीतभाई पटेल, भाविशाबेन पटेल सहित आवास योजना के लाभार्थी, गुजरात हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

दो दिवसीय एकल दिवाली मेला आज से

सुरत भुमि, सूरत। वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा दो दिवसीय दिवाली मेला का आयोजन सोमवार से सिटी-लाइट स्थित माहेश्वरी भवन में किया जायेगा। मेले का शुभारंभ पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत करेंगे। मेले में भारत के विभिन्न शहरों की प्रसिद्ध कलात्मक वस्तुओं का विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। इस मेले का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को प्लेटफार्म प्रदान करना है। मेले से प्राप्त सहयोग से आदिवासी बच्चों को शिक्षा दी जायेगी। इस मेले में आगामी त्योहारों की सीजन को देखते हुए कोलकाता एवं विभिन्न शहरों के गिफ्ट आइटम, गृहोपयोगी वस्तुएं, हैण्डीक्राफ्ट्स, बैग, गारमेन्ट्स, सजावट की विभिन्न वस्तुएं, ज्वेलरी एवं अन्य वस्तुएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध रहेंगे। मेले के लिए वनबंधु परिषद महिला समिति की रितु गोयल, पदमा तुलस्यान, डिम्पल फतेहसरिया, ज्योति पंसारी सक्रिय रूप से व्यवस्थायें देख रही है।

मां के पंडाल में उमड़ा भक्तों का जन सैलाब

सुरत भुमि, सूरत।

3 अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है। यह त्यौहार हिंदू धर्म के लोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ रूपों पूजा की जाती है। इसी प्रकार सूरत के नवागांव स्थित भरत नगर नंदनवन सोसाइटी के पास में भी इस त्योहार को बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया जाता है। दुर्गा मां का सुंदर पंडाल सजा हैं। शिव उत्सव समिती मित्र मंडल द्वारा आयोजित श्री नवरात्रि आरती मे शामिल हुये श्री छठ्ठ मानव सेवा टृषट प्रमुख श्री गुलजारी उपाध्याय जी, उत्तर भारतीय अग्रणी उमेश तिवारी, उत्तर भारतीय अग्रणी मनोज शुक्ला, उत्तर भारतीय अग्रणी महेश शुक्ला, उत्तर भारतीय अग्रणी हरकेश सिंह राजपूत, डॉ कमलेश मिश्रा, संजय तिवारी, नवनीत पांडे, विनायक पांडे, सनी झा, सिद्धार्थ तिवारी, सूरज तिवारी, शिवम दुबे, रोशन तिवारी, अमन शुक्ला, धर्मेंद्र पांडे,शिव उत्सव समिती उपप्रमुख श्री ज्ञानप्रकाश श्रीवास्तव, संघठन महामंत्री मुंना मिश्रा, आकाश सिंह राजपूत ,रवि तिवारी, रमेश तिवारी मास्टर, सोनु शुक्ला,प्रदीप दुबे, उपप्रमुख गिरजाशंकर गुप्ता, मंतोष दुबे, शारदा प्रसाद मिश्रा , अरविंद पाडें, राधेशयाम शुक्ला, श्री मुंना दुबे , नीरज तिवारी, मुलायम, सत्यप्रकाश यादव ,अखिलेश मोयाँ, जय सिंह मौयॉ , विमल तिवारी , संतोष यादव, गौरीशंकर सिंह ,नीरज पाडेय, लक्ष्मी भाई, मनोज दुबे ,रिषभ तिवारी , किशन दुबे औ अन्य तमाम भक्तगण उपस्थित हुए एवं माँ दुर्गा की आर्शिवाद प्राप्त किए।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)